संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 77 शुक्रवार 17 जनवरी 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की स्मृति होगी स्थाई

» भारत सरकार ने डेढ़ एकड़ भूमि की चिन्हित

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025(ए)। भारत सरकार ने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय स्मृति परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की स्मृति में 1.5 एकड़ भूमि आवंटित की है। यह भूमि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के स्मारक के पास स्थित है, और इस कदम से राष्ट्रीय स्मृति परिसर में एक और महत्वपूर्ण योगदान जुड़ने जा रहा है। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने इस निर्णय की जानकारी मनमोहन सिंह के परिवार को दी है और उन्हें एक ट्रस्ट स्थापित करने का अनुरोध किया है, ताकि इस सार्वजनिक भूमि आवंटन की औपचारिकताओं को पूरा किया जा सके। यह ट्रस्ट स्मारक निर्माण की प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्यों की देखरेख करेगा।

मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को दिया तोहफा

आठवें वेतन आयोग को दी मंजूरी

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025(ए)। केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बजट 2025 से पहले ही बड़ी खुशखबरी दी है। दरअसल, मोदी सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन के लिए मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन का फैसला ऐसे वक्त में लिया है, जब केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनर्स का महंगाई भत्ता बढ़कर 53 फीसदी तक पहुंच चुका है।

आईआईटीयन बाबा की उपस्थिति ने लोगों को चौंकाया

प्रयागराज,16 जनवरी 2025(ए)। हरिद्वार में एक आईआईटीयन बाबा की उपस्थिति ने सभी को चौंका दिया है। अभय सिंह, जो पहले

एक आईआईटीयन और कनाडा में उच्च पैकेज वाली नौकरी कर चुके थे, अब बाबा के रूप में महाकुंभ में नजर आ रहे हैं। उनका यह रूप उनके परिवार के लिए बिल्कुल नया था, क्योंकि उनका परिवार चाहता था कि अभय आईआईटी में अपनी सफलता के बाद एक बड़े अफसर बने, लेकिन उन्होंने बाबा बनने का रास्ता चुन लिया।

जयराम रमेश ने मोदी अडानी को निशाने पर लिया

» हिंडनबर्ग के बंद होने का मतलब यह नहीं है कि मोदानी को क्लीन चिट मिल गई...

» कांग्रेस ने फिर पीएम, अदाणी को घेरा

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025(ए)। हिंडनबर्ग रिसर्च के बंद होने को लेकर कांग्रेस ने पीएम मोदी और अडानी पर एक बार फिर निशाना साधा है। कांग्रेस ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी निवेश एवं अनुसंधान कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के बंद होने का मतलब यह नहीं है कि मोदानी को क्लीन चिट मिल गई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने अदाणी समूह और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से जुड़े मामलों का उल्लेख करते हुए यह भी कहा कि ये गंभीर अपराधिक कृत्य हैं जिनकी पूरी तरह से जांच केवल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा ही की जा सकती है।

अदाणी की रिपोर्ट के लेकर चर्चा में कंपनी

अमेरिकी निवेश एवं अनुसंधान कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च को बंद कर दिया गया है। इसके संस्थापक नैट एंडरसन ने बुधवार को यह जानकारी दी। उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके समूह के खिलाफ रिपोर्ट जारी करने के बाद यह कंपनी चर्चा में आ गई थी। रमेश ने एक बयान में कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च के बंद होने का किसी भी तरह से यह मतलब नहीं है कि मोदानी को क्लीन चिट मिल गई है।जयराम रमेश ने कहा कि जनवरी 2023 में आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट इतनी गम्भीर साबित हुई थी कि भारत के उच्चतम न्यायालय को उसमें अदाणी समूह, जिसे किसी और का नहीं, खुद प्रधानमंत्री का संरक्षण प्राप्त है, के खिलाफ़ सामने आए आरोपों की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन करने के लिए मजबूर होना पड़ा। कांग्रेस नेता ने कहा कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट में मोदानी महाघोटाले के केवल एक हिस्से, प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन को ही कवर किया गया था।

जांच केवल संयुक्त संसदीय समिति से ही

उन्होंने कहा कि ये सभी मित्र पूंजीवाद से जुड़े गंभीर अपराधिक कृत्य हैं जिनकी पूरी तरह से जांच केवल संयुक्त संसदीय समिति द्वारा ही की जा सकती है। जेपीसी के बिना, पूरी तरह से नियंत्रित की जा चुकी भारत की संस्थाएं केवल शक्तिशाली लोगों और प्रधानमंत्री के करीबियों की रक्षा के लिए काम करेंगी, भारत के ग़रीब और मध्यम वर्ग को उनके हाल पर छोड़ दिया जाएगा। अदाणी समूह में अतीत में हिंडनबर्ग और कांग्रेस द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को खारिज किया था।

विदेश नीति के दुरुपयोग का आरोप

रमेश ने दावा किया कि यह मामला और भी ज़्यादा गंभीर है। इसमें राष्ट्रीय हित की कीमत पर प्रधानमंत्री के करीबी मित्रों को और समृद्ध करने के लिए भारत की विदेश नीति का दुरुपयोग शामिल है। इसमें भारत के व्यवसायियों को अपनी महत्वपूर्ण संपत्तियों को बेचने के लिए मजबूर करने और अदाणी को हवाई अड्डों, बंदरगाहों, रक्षा एवं सीमेंट जैसे क्षेत्रों में एकाधिकार बनाने में मदद करने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग शामिल है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसमें सेबी जैसी संस्थानों पर कब्ज़ा किए जाने का मुद्दा शामिल है, जिसकी प्रमुख (माधवी बुच) अदाणी के साथ हितों के टकराव और वित्तीय संबंधों के स्पष्ट सबूत होने के बावजूद अपने पद पर बनी हुई हैं। रमेश ने दावा किया कि मोदानी भले ही भारत की संस्थाओं पर कब्जा कर सकते है और किया भी है ।

सुप्रीम कोर्ट की जीएसटी विभाग को कड़ी फटकार

» फर्जी चालान की समस्या हल करने का निर्देश

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) मामलों में बार-बार सामने आने वाली एक बड़ी समस्या पर चिंता व्यक्त की। इसमें ईमानदार खरीदारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, जब उनके आपूर्तिकर्ता जीएसटी जमा करने से बचने के लिए फर्जी चालान जारी करते हैं।

खरीदार की जिम्मेदारी पर सवाल

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की

पीठ ने इस बात पर हैरानी जताई कि आपूर्तिकर्ता के गलत जीएसटी पंजीकरण के लिए खरीदार को जिम्मेदार कैसे ठहराया जा सकता है। सीजेआई ने कहा, ÷यदि सामग्री खरीदी गई है और भुगतान किया गया है, तो खरीदार को कैसे पता चलेगा कि आपूर्तिकर्ता फर्जी है? यह विभाग का काम है कि वह उचित जांच करे।÷

फर्जी चालान का बढ़ता मुद्दा

कोर्ट ने कहा कि जीएसटी विभाग का कर्तव्य है कि वह पंजीकरण और चालान की वैधता सुनिश्चित करे। सीजेआई ने टिप्पणी की, जीएसटी अधिनियम के तहत उचित परिश्रम विभाग की जिम्मेदारी है। वास्तविक खरीदारों को इस समस्या का सामना क्यों करना चाहिए?

सुप्रीम कोर्ट की चेतावनी

सीजेआई ने स्पष्ट किया कि यदि यह समस्या हल नहीं हुई, तो न्यायालय कड़ी कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, यह एक गंभीर मुद्दा है, और अगर इसे ठीक नहीं किया गया, तो हम इस पर कठोर कदम उठाएंगे।

दो या ज्यादा बच्चे जरुरी तभी लड़ पाएंगे स्थानीय चुनाव

तमिलनाडु,16 जनवरी 2025(ए)। चंद्रबाबू नायडू ने दो से अधिक बच्चों वाले परिवारों को स्थानीय चुनाव लड़ने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने हाल ही में ऐसा प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें केवल उन लोगों को स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने की अनुमति देने की बात कही गई है, जिनके दो से अधिक बच्चे हैं।

अपने पैतृक गांव नरवरिपल्ली में संक्रांति उत्सव के दौरान नायडू ने राज्य में घटती प्रजनन दर से निपटने के लिए यह विचार साझा किया। नायडू का यह बयान उस समय आया है जब राज्य सरकार ने तीन दशक पुराने उस कानून को निरस्त कर दिया है,

प्रवेश वर्मा डिसक्वॉलीफाई होने की पूरी कोशिश कर रहे

» चुनाव आयोग है कि मानता ही नहीं : केजरीवाल

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025(ए)। नई दिल्ली सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के खिलाफ आचार संहिता का उल्लंघन करने पर एफआईआर दर्ज की गई है। प्रवेश वर्मा इस सीट से आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मैदान में हैं।

अरविंद केजरीवाल प्रवेश वर्मा पर एफआईआर दर्ज होने के बाद से उन पर हमलावर हैं। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया के जरिए प्रवेश वर्मा पर तंज कसा।

दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बेचारे प्रवेश वर्मा डिसक्वालीफाई होने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, पर चुनाव आयोग है कि मानता ही नहीं।

केजरीवाल ने एक और अन्य पोस्ट में कहा, पूरी दुनिया कह रही है कि खुले आम पैसा और समान बंट रहा है, पर चुनाव आयोग कह रहा है कि उन्हें सबूत और गवाह नहीं मिल रहे।

राहुल गांधी मानसिक दिवालिया हो गए हैं: शिवराज

भोपाल ,16 जनवरी 2025(ए)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मानसिक दिवालिया हो गए हैं।शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ÷राहुल गांधी मानसिक दिवालिया हो गए हैं, उनकी मानसिक आयु शून्य है। राहुल गांधी हम भारत माता के लिए प्राण न्योछावर कर सकते हैं और आपको इस विचार से ही नफरत है। आप भारत और भारतीयता को कभी समझ नहीं पाएंगे।

अडाणी ग्रूप को निशाना बनाने वाली हिंडनबर्ग रिसर्च पर लगेगा ताला

फाउंडर नाथन एंडरसन ने एक्स पर बताया- क्यों लिया यह फैसला

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025(ए)। अडाणी समेत कई दिग्गज कंपनियों की पोल खोलने वाली अमेरिकी शॉर्ट-सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च अब बंद होने जा रही है। बुधवार देर रात कंपनी के फाउंडर नाथन एंडरसन ने इस फैसले का ऐलान किया। एंडरसन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, हमने जो भी लक्ष्य तय किए थे, वह पूरे हो चुके हैं। अब कंपनी को बंद करने का समय आ गया है। इस फैसले के पीछे कोई निजी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं है।

अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग ने सेबी चीफ माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडाणी ग्रुप से जुड़ी ऑफशोर कंपनियों में हिस्सेदारी थी।इस रिपोर्ट ने भारत में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया था। इन खुलासों से अडाणी ग्रुप की मार्केट वैल्यू में अरबों डॉलर की गिरावट आई थी।

56 बार समाधि लेने के बावजूद जीवित हैं मौनी महाराज

अमेठी,16 जनवरी 2025(ए)। महाकुंभ मेला 13 जनवरी 2025 पर पौष पूर्णिमा से शुरू होकर 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के दिन तक

चलेगा. इस दौरान देश भर के कई बाबा चर्चा में है। कुम्भ में कई बाबा सुर्ख़ियों में है कोई ई रिक्शा बाबा, कोई आई आई टीयन वाले बाबा, और कोई रुद्राक्ष वाले बाबा के नाम से मशहूर है। आज हम आपको मौनी महाराज के बारे में बताएँगे। उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित परमहंस आश्रम के मौनी महाराज, जिन्हें रुद्राक्ष वाले बाबा के नाम से भी जाना जाता है, ने अब तक 56 बार जल और भू समाधि ली है। यह सुनकर चौंकाने वाली बात यह है कि इतने बार समाधि लेने के बावजूद वह जीवित और स्वस्थ हैं, जो उनकी साधना और मानसिक शक्ति को लेकर कई सवाल खड़े करता है।

किसानों का 21 जनवरी को दिल्ली कूच का ऐलान

जनता हो सकती है परेशान

पटियाला,16 जनवरी 2025(ए)। शंभू बार्डर पर आंदोलनरत किसानों ने दिल्ली कूच का ऐलान कर दिया है। किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि 101 किसान 21 जनवरी को दिल्ली कूच करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार अभी तक वार्ता का मन नहीं बना रही है, इसलिए आंदोलन को और तेज करेंगे। उन्होंने साफ किया कि कहा जा रहा है कि केंद्र की मोदी सरकार झुकेगी नहीं लेकिन किसान जत्थेबंदियां भी अडिग हैं। मोदी सरकार से एमएसपी की कानूनी गारंटी लेने के साथ-साथ किसानों व मजदूरों के कर्ज भी माफ कराए जाएंगे।

बमबारी-गोलीबारी कांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

पूरा इलाका बमों के धमाके से थर्रा उठा था

धनबाद,16 जनवरी 2025(ए)। धनबाद जिले के मधुबन थाना अंतर्गत खरखरी कोलियरी में 9 जनवरी को गोलीबारी, बमबारी, आगजनी और पुलिस पर हमले की घटना के मुख्य आरोपी झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता कारू यादव को आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे धनबाद पुलिस के एसडीपीओ की अगुवाई वाली स्पेशल टीम ने बिहार के जमुई जिले में वहां की पुलिस की मदद से पकड़ा। कारू यादव के सहयोगी बजरंगी को भी गिरफ्तार किया गया है।

दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने मचाया आतंक

» दो सुरक्षा गार्डों की हत्या कर 93 लाख रूपए लूटे...

बीदर,16 जनवरी 2025(ए)। कर्नाटक के बीदर जिले में एक सनसनीखेज वारदात ने सभी को दहला दिया है। यहां दिनदहाड़े हथियारबंद बदमाशों ने दो सुरक्षा गार्डों को गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और 93 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। यह घटना जिले के शिवाजी चौक स्थित एसबीआई एटीएम के पास हुई और इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

यह वारदात आज गुरुवार के दिन में करीब 11.30 बजे हुई। बताया जाता है कि एसबीआई के एटीएम में रुपये भरने के लिए एजेंसी के कर्मचारी गीरी वेन्कटेश और शिव काशिनाथ पहुंचे थे। वे सुरक्षा गार्डों के साथ एटीएम में कैश लेकर आ रहे थे, तभी पहले से घात लगाए बैठे हथियारबंद बदमाशों ने सुरक्षा गार्डों को निशाना बनाकर आठ गोलियां चलाईं, जिससे दोनों गार्डों की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद बदमाशों ने 93 लाख रुपये लूट लिए और तुरंत फरार हो गए। पुलिस का कहना है कि लुटेरों ने इतने आत्मविश्वास से इस घटना को अंजाम दिया, कि किसी को उनकी गतिविधियों का पता नहीं चल पाया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर पूरे इलाके को घेर लिया और संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस ने मामले की जांच में तेजी लाते हुए टीमें गठित की हैं। आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि लुटेरों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संपादकीय

बांग्लादेश में फिर टकराव की आशंका

एक दूसरे पर हमले करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। इस माहौल से फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है। धारणा बनने लगी है कि अगस्त में हुआ बदलाव व्यर्थ जा रहा है। बांग्लादेश में जिन सियासी ताकतों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ आंदोलन में जबरदस्त एकता दिखाई थी, अब उनके बीच टकराव तीखा हो रहा है।नए चुनाव कराने के सवाल पर अंतरिम सरकार के रुख ने अन्य समूहों में अंदेशा पैदा किया है कि बीते अगस्त में फौरी तौर पर देश की कमान संभालने आए शासकों को सत्ता का स्वाद लग गया है।अब वे चुनाव नहीं कराना चाहते। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस और सरकार में शामिल पूर्व छात्र नेताओं के कुछ बयानों के बाद बांग्लादेश नेशलनिस्ट पार्टी (बीएपनी) सहित अन्य दल अंतरिम शासकों के खिलाफ खुल कर बोलने लगे हैं। इन बयानों का संदेश था कि चुनाव कराना अंतरिम सरकार की प्राथमिकता नहीं है।तब से आरोप लगाए गए हैं कि अंतरिम सरकार जानबूझ कर चुनाव में देर कर रही है। संदेह जताया गया है कि हसीना को सत्ता से बाहर करने के बाद मोहम्मद यूनुस और उनके छात्र समर्थक बीएनपी को भी रास्ते से हटाना चाहते हैं।हसीना के देश से जाने के बाद उनकी पार्टी अवामी लीग के नेताओं के ख़िलाफ़ हत्या समेत अलग-अलग आरोपों में मामले दर्ज होने का सिलसिला शुरू हुआ था। उधर प्रमुख विपक्षी पार्टी बीएनपी की अध्यक्ष ख़ालिदा ज़िया के खिलाई कई मामलों में सज़ा रद्द की गई। जमात-ए-इस्लामी के भी कई नेता और कार्यकर्ता जेल से रिहा हुए।तब लग रहा था कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार, बीएनपी, जमात और आंदोलनकारी छात्र नेता एकजुट हैं। लेकिन अब सूरत बदल गई है। एक दूसरे पर हमले करने के लिए ये गुट शेख हसीना को मुद्दा बना रहे हैं। एक दूसरे पर इल्जाम लगाए गए हैं कि वे हसीना के प्रति नरम रुख अपना रहे हैं।बीएनपी ने कहा है कि अंतरिम सरकार और जमात भारत के साथ अपने रिश्ते अच्छे करने के लिए हसीना को माफ़ कर देना चाहते हैं।इसके बाद जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने बीएनपी पर कड़ा हमला किया। इस माहौल से देश में फिर टकराव की आशंकाएं गहरा रही हैं। लोगों में भी मायूसी है।

क्या आप लगा पाएगी दिल्ली में चुनावी चौका

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,राजस्थान

आगामी पांच फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव जीतने के लिए सभी राजनीतिक दल जोड़-तोड़ करने में जुट गए हैं। चुनाव में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), आम आदमी पार्टी (आप) व कांग्रेस पार्टी के बीच होना तय माना जा रहा है। पिछले दो विधानसभा चुनाव में मुख्य मुकाबला आप व भाजपा के बीच हुआ था। कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत खराब रहा था। मगर इस बार कांग्रेस पार्टी पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ने जा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में जहां कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी से गठबंधन कर चुनाव लड़ा था। वहीं विधानसभा चुनाव कांग्रेस अकेले ही लड़ेगी। कांग्रेस के अकेले चुनाव लड़ने व पिछले लोकसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने के कारण दिल्ली विधानसभा चुनाव में मुकाबला त्रिकोणात्मक होने की संभावना बनने लगी है। दिल्ली में तीन बार सरकार बनाकर आप ने मजबूत पकड़ बनायी हैं। वहीं लोकसभा चुनाव में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद भाजपा आप के सामने टिक नहीं पा रही है। आप के अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस पार्टी के समर्थन से 28 दिसंबर 2013 को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। मगर कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस लेने के चलते 49 दिन में ही सरकार गिर गई थी। फरवरी 2015 में हुए विधानसभा चुनाव में आप ने 67 सीटें जीतकर एक नया इतिहास रच दिया था। आप को 54.34 प्रतिशत वोट मिले थे। अरविंद केजरीवाल ने 14 फरवरी 2015 को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उस चुनाव में भाजपा को मात्र तीन सीट तथा 32.19 प्रतिशत वोट मिले थे। कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली तथा वोट भी घटकर 9.65 प्रतिशत रह गये थे।

2020 के विधानसभा चुनाव में आप ने 62 सीटे जीतकर 53.57 प्रतिशत वोट प्राप्त किए थे। 16 फरवरी 2020 को अरविंद केजरीवाल तीसरी बार दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे। 2020 के चुनाव में भाजपा की सीट तीन से बढ़कर आठ तक पहुंच गई थी तथा वोटो का प्रतिशत भी बढ़कर 38.51 प्रतिशत हो गया था। कांग्रेस को इस बार भी कुछ नही मिला था। कांग्रेस को 4.26 प्रतिशत वोट ही मिले थे। कांग्रेस के अधिकांश प्रत्याशियों की जमानत जप्त हो गई थी।

2 अक्टूबर 2012 को गांधी जयंती के दिन आम आदमी पार्टी का गठन किया गया था। पार्टी के गठन के ठीक एक साल एक महीने और दो दिन बाद 4 दिसंबर 2013 को दिल्ली विधानसभा चुनाव के वोट डाले गए थे। 8 दिसंबर 2013 को चुनाव के नतीजे आए तो आप को 28 सीटें तथा 29.49 प्रतिशत वोट मिले थे। पार्टी अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को उनकी नई दिल्ली सीट पर करीब 26000 वोटो से हराया था। उस चुनाव में भाजपा को 31 सीट व 33.07 प्रतिशत वोट मिले थे। वहीं कांग्रेस को 8 सीट व 24.55 प्रतिशत वोट मिले थे।

उस वक्त कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से दूर रखने के चक्कर में आप को समर्थन देकर अरविंद केजरीवाल को पहली बार मुख्यमंत्री बनवाया था। कांग्रेस की यही भूल अब तक कांग्रेस को लगातार जीरो पर आउट कर रही है। उस वक्त यदि कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को समर्थन नहीं दिया होता तो आगे विधानसभा चुनाव के नतीजे अलग हो सकते थे। मगर अपनी भूल का कांग्रेस आज तक खामियाजा उठा रही है। 1998 से 2008 तक लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीत कर सरकार बनाने वाली कांग्रेस 2013 में मात्र 8 सीटों पर सिमट गई थी। कांग्रेस की एक भूल उस पर इतनी भारी पड़ गई कि वह आज तक संभल नहीं पा रही है। दिल्ली में लोकसभा चुनाव के करीब 8 महीने बाद विधानसभा चुनाव होते हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा 2014 से 2024 तक लगातार दिल्ली की सातों सीटों पर जीत दर्ज करवाती आ रही है। वहीं विधानसभा चुनाव में मतदाताओं के वोट डालने का ट्रेंड बदल जाता है। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कर 46.63 प्रतिशत यानी 38 लाख 38 हजार 850 वोट प्राप्त किए तथा 60 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। आप को 33.08 प्रतिशत यानी 27 लाख 22 हजार 887 वोट मिले थे तथा 10 सीटों पर आगे रही थी। वहीं कांग्रेस को 15.22 प्रतिशत यानी 12 लाख 53 हजार 78 वोट मिले थे। कांग्रेस एक सीट पर भी आगे नहीं थी। वही 2015 के विधानसभा चुनाव में आप को 67 सीटों पर जीत मिली थी। इसी तरह 2019 में भाजपा ने 56.85 प्रतिशत यानी 49 लाख 8 हजार 541 वोट लेकर सभी सीट जीती थी। तथा 65 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। वहीं आप को 18.20 प्रतिशत यानी 15 लाख 71 हजार 687 वोट मिले थे और सीट एक भी नहीं जीती थी। आप किसी विधानसभा सीट पर आगे नहीं रही थी। वहीं कांग्रेस को 22.63 प्रतिशत यानी 19 लाख 53 हजार 900 वोट मिले थे। कांग्रेस को सीट एक भी नहीं मिली मगर पांच विधानसभा सीट पर आगे रही थी।

2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने लगातार तीसरी बार सभी सातों सीटों को जीतकर 54.35 प्रतिशत यानी 48 लाख 44 हजार 180 वोट प्राप्त किए थे। वहीं 52 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। आप को एक भी सीट पर जीत नहीं मिली थी। पार्टी को 24.17 प्रतिशत यानी 21 लाख 54 हजार एक वोट मिला था। पार्टी 10 विधानसभा सीटों पर आगे रही थी। वहीं कांग्रेस का भी सुपड़ा साफ हो गया था तथा उसे एक भी सीट नहीं मिली थी। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी से समझौता कर चुनाव लड़ा था। समझौते में आप ने चार व कांग्रेस ने तीन सीटों पर चुनाव लड़ा था। जिसमें कांग्रेस को 18.91 प्रतिशत यानी 16 लाख 85 हजार 494 वोट मिले थे। कांग्रेस ने आठ विधानसभा सीटों पर बढ़त हासिल की थी। पिछले दो विधानसभा चुनाव के मतदान का ट्रेंड देखे तो दिल्ली में करीबन 16 से 18 प्रतिशत मतदाता ऐसे होते हैं जो किसी भी पार्टी के समर्थन नहीं है। वह हवा का रूख देख कर मतदान करते हैं। आप को स्विंग वाटरों की बदौलत दो बार भारी बहुमत मिल चुका है। स्विंग वोटर का झुकाव जिधर होता है उसी की जीत तय होती है। लोकसभा चुनाव में तो राष्ट्रीय मुद्दों के चलते स्विंग वोटर भाजपा की तरफ झुक जाता है। मगर विधानसभा चुनाव में उसका मूड बदल जाता है। जिसका लाभ आम आदमी पार्टी को मिलता है। पांच फरवरी को होने वाले मतदान में सबसे बड़ी भूमिका इन फ्लोटिंग वोटरों की होगी। इनका झुकाव जिस तरफ होगा उसी पार्टी को जीत मिलेगी। चुनाव में बहुत कम समय बचा है। ऐसे में सभी पार्टियों के दिग्गज नेता चुनावी मैदान में उतरकर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को जीत दिलाने के लिए जुटे हुए हैं। जेल जाने के चलते अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद छोड़ना पड़ा था। उनके स्थान पर अतिशी मार्लेना को 21 सितंबर 2024 को मुख्यमंत्री बनाया गया था। उसके बाद से आम आदमी पार्टी में बड़ी उठा पटक मची हुई है। इसी के चलते पार्टी ने बड़ी संख्या में पुराने विधायकों की टिकट काटी है। दूसरे दलों से आने वाले दलबदलुओं को भी बड़ी संख्या में टिकट दिया गया है।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव ने तो इंडिया गठबंधन की नींव तक हिला डाली है। जहां गठबंधन में शामिल कांग्रेस व आप आमने-सामने चुनाव लड़ रहे है। वहीं तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, शिवसेना (यूबीटी) ने आप को समर्थन देने की घोषणा कर कांग्रेस को ठेंगा दिखा दिया है। आप के लिए लगातार चौथी बार जीत का चौका लगाने का सुनहरा मौका है। वहीं भाजपा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में अपनी सरकार बना कर डबल इंजन की सरकार का नारा सार्थक करना चाहती है। कांग्रेस का भी प्रयास है कि कुछ सीट जीत कर अपनी खोई प्रतिष्ठा को फिर से हासिल किया जाए। बहरहाल सभी दलों के लिए इस बार का चुनाव बड़ा ही रोमांचक व कड़ी टक्कर वाला होने जा रहा है। मगर दिल्ली का मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसे दिल्ली की जनता चाहेगी।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

सर्दी की ठिठुरन से मौंते

नया साल शुरू हो चुका है, और उससे पहले शुरू हो गई कंपकंपा देने वाली सर्दी। इस समय भी देश के विभिन्न इलाकों में शीत लहर कहर बरपा रही है, जिससे हर साल की तरह देश के विभिन्न इलाकों से लोगों के मरने की खबरें भी आ रही हैं।अब तक 150 से ज्यादा लोग सर्दी की ठिठुरन से मौत की नींद सो चुके हैं। वैसे इस तरह की खबरें आना कोई नई बात नहीं है। कहीं भूख और कुपोषण से होने वाली मौतें तो कहीं गरीबी और कर्ज के बोझ से त्रस्त किसानों और छोटे कारोबारियों की खुदकुशी के जारी सिलसिले के बीच हर साल ही सर्दी की ठिठुरन, गरम लू के थपेड़ों और बारिश-बाढ़ से भी लोग मरते ही रहते हैं। मौसम की अति के चलते असमय होने वाली ये मौतें हमारे उस भारत की नग्न सच्चाइयां हैं, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि वह तेजी से विकास कर रहा है, और जल्द ही दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा। ये सच्चाइयां सिर्फ हमारी सरकारों के हवा-हवाई कार्यक्रमों और पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हो जाने जैसे गुलाबी दावों की ही खिल्ली नहीं उड़ातीं, बल्कि व्यवस्था पर काबिज लोगों की नालायकी और संवेदनहीनता को भी उजागर करती हैं।वैसे, सर्दी हमारे नियमित मौसम चक्र का ही हिस्सा है। कड़ाके की सर्दी इसका हल्का सा विचलन भर है। सर्दी और भीषण सर्दी अंत में हमें कई तरह से फायदे ही पहुंचाती हैं। सबसे बड़ी बात है कि कड़ाके की सर्दी हमें आस्त करती है कि ग्लोबल वार्मिंग उतनी सन्निकट नहीं है, जितना कि अक्सर हम मान बैठते हैं। ज्यादातर भारतीय इस मायने में खुशनसीब हैं कि उन्हें मौसम की विविधताएं देखने को मिलती हैं। अन्यथा दुनिया में ऐसे कम ही इलाके हैं, जहां हर मौसम का मजा लिया जा सके। हर मौसम अपने रौद्र रूप में भी सुंदर होता है, बशर्ते उसकी मार से लोगों को बचाने के इंतजामात हो।दुनिया में संभवत- भारत ही ऐसा एकमात्र देश है, जहां हर मौसम की अति होने पर लोगों के मरने की खबरें आने लगती हैं। लेकिन हकीकत यह भी है कि लोग मौसम की अति से नहीं मरते हैं, वे मरते हैं अपनी गरीबी से, अपनी साधनहीनता से और व्यवस्था तंत्र की नाकामी या लापरवाही की वजह से।

-अनिल जैन-

दिल्ली के नतीजे से तय होगी इंडिया गठबंधन की ताकत

अजय कुमार
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

दिल्ली विधानसभा चुनाव केवल राजधानी की सियासत का फैसला नहीं करेगा, बल्कि इसका असर देश के विपक्षी गठबंधन, इंडिया, की राजनीति पर भी पड़ेगा। 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने इंडिया गठबंधन के तहत बीजेपी को कड़ी टक्कर दी थी, और यह संकेत दिया था कि विपक्षी दलों की एकजुटता आगामी चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। लेकिन अब दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्ष के भीतर घमासान बढ़ता जा रहा है, और इस चुनाव के परिणाम केवल दिल्ली की सत्ता के लिए नहीं, बल्कि विपक्षी गठबंधन के भविष्य और नेतृत्व के लिए भी अहम हो सकते हैं।

दिल्ली चुनाव की सियासत में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच जोरदार टकराव देखने को मिल रहा है। कांग्रेस की अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं हैं, जबकि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की राजनीति में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। इस बीच, इंडिया गठबंधन के कई सहयोगी दल जैसे सपा, आरजेडी, टीएमसी और एनसीपी ने खुलकर आम आदमी पार्टी के समर्थन में आकर कांग्रेस के सामने एक नई चुनौती खड़ी कर दी है। इससे कांग्रेस की स्थिति कमजोर होती जा रही है, और अब सवाल यह उठने लगे हैं कि क्या कांग्रेस इस चुनावी माहौल में अपनी सियासी जमीन बना पाएगी, या फिर क्षेत्रीय दल कांग्रेस की राजनीति को दरकिनार कर देंगे।इंडिया गठबंधन के अंदर नेतृत्व को लेकर उठ रहे सवाल विपक्षी एकजुटता के लिए बड़ा संकट बन चुके हैं। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता शरद पवार और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला जैसे नेता यह कह चुके हैं कि इंडिया गठबंधन केवल लोकसभा चुनाव तक के लिए था, और अब इस गठबंधन का उद्देश्य खत्म हो चुका है। ममता बनर्जी और अखिलेश यादव भी अपनी पार्टी की तरफ से आम आदमी पार्टी का समर्थन कर चुके हैं, और उनकी यह टिप्पणियां कांग्रेस के लिए गहरी चिंता का कारण बन गई हैं। कांग्रेस के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है क्योंकि यह गठबंधन उसके नेतृत्व में नहीं,

बल्कि क्षेत्रीय दलों के समर्थन से चल रहा है। दिल्ली चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने बीजेपी और आम आदमी पार्टी दोनों के खिलाफ मोर्चा खोला है। उन्होंने दिल्ली में चुनावी अभियान के दौरान इन दोनों पार्टियों को एक जैसा बताकर निशाना साधा। राहुल गांधी का यह कदम कांग्रेस के संघर्ष को दर्शाता है, लेकिन यह भी स्पष्ट है कि दिल्ली चुनाव के परिणाम कांग्रेस के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण होंगे। अगर दिल्ली में कांग्रेस हार जाती है, तो इससे इंडिया गठबंधन के भीतर विरोध और भी तेज हो सकता है। कई क्षेत्रीय दल जैसे सपा, आरजेडी और टीएमसी के लिए यह अवसर हो सकता है कि वे कांग्रेस को अपनी सियासी लड़ाई से बाहर कर दें और खुद को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व संभालने का मौका दें। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने विपक्षी दलों को एकजुट किया था, और इसका फायदा भी मिला था। कांग्रेस ने 99 सीटें जीती थीं, जिससे उसकी स्थिति मजबूत हुई थी। लेकिन इसके बाद हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में कांग्रेस को मिली हार ने उसके आत्मविश्वास को कमजोर किया। इस हार के बाद विपक्षी दलों ने कांग्रेस के नेतृत्व को लेकर सवाल उठाना शुरू कर दिया था, और ममता बनर्जी, शरद पवार जैसे नेताओं ने कांग्रेस से गठबंधन का नेतृत्व छोड़ने का दबाव बनाना शुरू किया। यह संकेत था कि इंडिया गठबंधन के भीतर कांग्रेस का महत्व अब कम होता जा रहा है, और यह गठबंधन लोकसभा चुनाव के बाद बिखरता जा रहा है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे ना केवल राजधानी की राजनीति को प्रभावित करेंगे, बल्कि वे विपक्षी गठबंधन की स्थिरता को भी प्रभावित करेंगे। अगर आम आदमी पार्टी दिल्ली में जीतकर चौथी बार सरकार बनाने में सफल हो जाती है, तो इससे इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर घमासान और बढ़ेगा। क्षेत्रीय दलों जैसे ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और केजरीवाल के नेतृत्व को लेकर नई बहस छेड़ी जा सकती है। कांग्रेस पर दबाव बनेगा कि वह इंडिया गठबंधन की बागडोर छोड़ दे, और इसका स्थान किसी क्षेत्रीय दल को दे। वहीं, अगर आम आदमी पार्टी दिल्ली की सत्ता बरकरार नहीं रख पाती, तो इसका असर बीजेपी और कांग्रेस दोनों पर पड़ेगा। आम आदमी पार्टी के लिए यह आरोप लगना तय है कि वह बीजेपी से मिलीभगत कर रही है, और इससे पार्टी की साख को नुकसान होगा। इसके साथ ही यह भी सच है कि आम आदमी पार्टी का गठन कभी कांग्रेस के वोट बैंक की कीमत पर हुआ था। जब भी कांग्रेस मजबूत होती है, आम आदमी पार्टी को कमजोर महसूस होता है। यह सच है कि जैसे-जैसे कांग्रेस अपनी जमीन को फिर से मजबूत करती है, आम आदमी पार्टी की ताकत कम होती जाती है। आज के सियासी परिदृश्य में क्षेत्रीय दल कांग्रेस से ज्यादा अपनी सियासी ताकत को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। यूपी में कांग्रेस की कमजोरी का फायदा सपा ने उठाया, बिहार में आरजेडी ने और बंगाल में टीएमसी ने इसका लाभ लिया। क्षेत्रीय दलों की यह रणनीति है कि कांग्रेस को अपने रास्ते में ज्यादा मजबूत नहीं होने दिया जाए। वे नहीं चाहते कि कांग्रेस अपनी खोई हुई सियासी जमीन फिर से हासिल करे। ऐसे में, दिल्ली चुनाव के नतीजे यह तय करेंगे कि कांग्रेस को सत्ता में वापस आने का मौका मिलेगा या नहीं।

कविता
आत्महत्या करते नहीं देखा

घटती-घटना
गरिमा राकेश गर्विता
कोटा राजस्थान

सुना नही कभी कि
किसी पशु ने ऊँचाई से
कूदकर जान दी हो या
किसी पंछी ने गगन की
ऊँचाइयो से खुद को गिराया हो।
क्या इनका जीवन संघर्षमय नही होता
क्या इनकों जीवन में दुख नही होता
शीत,ताप और बरखा सब तो
नग्न बदन सहते हैं ।
कभी कभी तो शायद
भूखे भी रह जाते हैं
पर जीवन के संघर्षो से
इनको घबराते नही देखा
मैंने किसी पशु -पक्षी को
आत्महत्या करते नही देखा ।
दुख जब टकराते होगे इनसे
मैंने इन्हें निराश नही देखा
शेर हो या श्वान मैंने
आत्महत्या करते नही देखा ।

कविता
जानिब-ए-मोहब्बत

घटती-घटना
जयंती खूंटे
चिल्हाटी,बिलासपुर
छत्तीसगढ़

जानिब-ए-मोहब्बत में ये दिल निकल पड़ा है,
मोहब्बत कि राह पर अल्फाजों के तंगल पड़ा है।
कितना भी समझाओ टूटकर बिखर जायेगा,
ए दिल- ए- नादान ज़िद पर अड़ा है।
चाह न रख आदिल मोहब्बत का,
तुझे नहीं पता इस राह पर जफ़ा ही जफ़ाहै।
आगाज़ में खूबसूरत ये पल लगते हैं,
कितनो का आशियां बिखरा पड़ा है।
रुसवाई होगी ज़माने मेंअल्फाजों पर गौर कर,
जुस्तजू करने जानिब- ए-मोहब्बत मेंनिकल पड़ा है।

सफलता सार्वजनिक उत्सव तो असफलता व्यक्तिगत विपत्ति

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

परिणामों पर ज़ोर देने से क्रमिक शिक्षा और सुधार का महत्त्व कम हो जाता है, जिससे सफलता अस्थिर हो जाती है। ऋषभ पंत जैसे क्रिकेटर, जिनकी शुरुआत में असंगतता के लिए आलोचना की गई थी, ने समय के साथ लगातार सुधार करके सम्मान प्राप्त किया। परिणाम-उन्मुख मानसिकता शॉर्टकट या अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देती है, जिससे निष्पक्षता और खेल भावना ख़त्म हो जाती है। ऑस्ट्रेलियाई बॉल-टैम्परिंग घटना जैसे घोटाले ईमानदारी पर जीत को प्राथमिकता देने की लागत को दर्शाते हैं। समाज विजेताओं का महिमामंडन करता है लेकिन प्रतिभागियों के प्रयासों की उपेक्षा करता है, जिससे खेलों की समावेशिता और एकीकृत भावना कमजोर होती है। कम प्रसिद्ध ओलंपियन जो अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं लेकिन पदक जीतने में विफल रहते हैं, उन्हें स्वर्ण पदक विजेताओं की तुलना में कम मान्यता मिलती है। प्रयास को स्वीकार करने से सहानुभूति, सहयोग और एकता जैसे मूल्य पैदा होते हैं, जो एक परिपक्व और नैतिक समाज में योगदान करते हैं। 2019 क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के प्रयासों का जश्न मनाने वाले प्रशंसकों ने परिणामों से ज़्यादा प्रयास की सराहना करने की ओर एक बदलाव दिखाया।

सफलता सार्वजनिक उत्सव होती है, जबकि असफलता व्यक्तिगत विपत्ति होती है। सफलता में लोग साथ होते हैं, जबकि असफलता में लोग छोड़ देते हैं। हालांकि, असफलता से सीखने और बढ़ने का मौका मिलता है। सफलता सार्वजनिक उत्सव है जबकि असफलता व्यक्तिगत शोक एकदम सत्य लिखा है। दो ऐसे शब्द जो हर व्यक्ति के जीवन में बहुत मायने रखते हैं। पहला शब्द सफलता जिसको हर कोई प्राप्त करना चाहता है जबकि दूसरा शब्द असफलता जिससे हर व्यक्ति दूर रहना चाहता है। सफलता जब प्राप्त होती है तो घरङ्कपरिवार सब खुश होता है लेकिन असफलता का सामना आपको अकेले ही करना पड़ता है। अगर आप सफल हो गए तो समाज में आपकी इज़्ज़त होगी, लोगों का आपके साथ व्यवहार परिवर्तित हो जायेगा लेकिन असफल रहने पर आपको बेरोजगार, ठलुआ जैसी संज्ञा मिलेंगी। मायने ये भी रखता है कि आपने सफलता प्राप्त करने के लिए कितना प्रयत्न किया यदि आपने पूरे समर्पण के भाव से मेहनत की है फिर भी आप अपने मनपसंद क्षेत्र में सफल नहीं हुए तो ये मान लीजिए कि आपने अपने सपने को पूरा करने के लिए जो ज्ञानार्जन किया है वह आपके भावी जीवन में बहुत काम आने वाला है। वही ज्ञान किसी अन्य क्षेत्र में आपका भविष्य निर्माण करने में सहायक हो सकता है। परिणाम-संचालित समाज में, प्रयास अक्सर परिणामों के पीछे चला जाता है, परिणाम-संचालित समाज में, परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती देता है। खेलों में, प्रयास दृढ़ता, अनुशासन और निष्पक्षता को दर्शाता है, जो प्रदर्शन पर प्रक्रिया पर ज़ोर देता है। यह दृष्टिकोण मानसिक लचीलापन और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है जबकि डोपिंग और मैच फिक्सिंग जैसी अनैतिक प्रथाओं के दबाव को कम करता है। नैतिक मूल्यांकन को मापने योग्य परिणामों के साथ प्रयास के आंतरिक मूल्य को संतुलित करना चाहिए। मापनीय परिणामों के प्रति जुनून, समाज मात्रात्मक सफलता को प्राथमिकता देता है, अक्सर प्रयास के आंतरिक मूल्य और यात्रा में दृढ़ता को अनदेखा करता है। माता-पिता बच्चे के परीक्षा अंकों की प्रशंसा करते हैं, लेकिन शायद ही कभी अध्ययन या अवधारणाओं को समझने में बिताए गए समय को स्वीकार करते हैं। परिणामों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से अनावश्यक दबाव बनता है, जिससे तनाव होता है और सुधार या सीखने के लिए आंतरिक प्रेरणा कम हो जाती है। रिकॉर्ड तोड़ने के दबाव का सामना करने वाले एथलीट कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय डोपिंग का सहारा ले सकते हैं। परिणामों पर ज़ोर देने से क्रमिक शिक्षा और सुधार का महत्त्व कम हो जाता है, जिससे सफलता अस्थिर हो जाती है। ऋषभ पंत जैसे क्रिकेटर, जिनकी शुरुआत में असंगतता के लिए आलोचना की गई थी, ने समय के साथ लगातार सुधार करके सम्मान प्राप्त किया। परिणाम-उन्मुख मानसिकता शॉर्टकट या अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देती है, जिससे निष्पक्षता और खेल भावना ख़त्म हो जाती है। ऑस्ट्रेलियाई बॉल-टैम्परिंग घटना जैसे घोटाले ईमानदारी पर जीत को प्राथमिकता देने की लागत को दर्शाते हैं। समाज विजेताओं का महिमामंडन करता है लेकिन प्रतिभागियों के प्रयासों की उपेक्षा करता है, जिससे खेलों की समावेशिता और एकीकृत भावना कमजोर होती है। कम प्रसिद्ध ओलंपियन जो अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं लेकिन पदक जीतने में विफल रहते हैं, उन्हें स्वर्ण पदक विजेताओं की तुलना में कम मान्यता मिलती है। निष्पक्षता और समावेशिता को बढ़ावा देना, प्रयास को महत्त्व देना सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागियों को मान्यता प्राप्त हो, एक समावेशी और सहायक वातावरण को बढ़ावा मिले। पैरालिंपिक खेल दृढ़ता और प्रयास को उजागर करते हैं, पदकों पर भागीदारी पर ज़ोर देते हैं। प्रयास को प्राथमिकता देने से व्यक्तियों को दृढ़ता, विनम्रता और भावनात्मक शक्ति का निर्माण करने में मदद मिलती है, जो व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। नीरज चोपड़ा की विनम्रता और प्रतियोगियों के प्रति सम्मान सिर्फ़ उनके भाला फेंक रिकॉर्ड से कहीं ज़्यादा मनाया जाता है। प्रयास पर ध्यान केंद्रित करने से कौशल वृद्धि और निरंतरता को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में स्थायी उपलब्धियाँ मिलती हैं। विराट कोहली की अनुशासित प्रशिक्षण दिनचर्या स्थायी सफलता प्राप्त करने में प्रयास के महत्त्व को दर्शाती है। परिणामों से ज़्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक व्यवहार और नियमों के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में निष्पक्षता सुनिश्चित होती है। उदाहरण के लिए सचिन तेंदुलकर का स्लेजिंग में शामिल होने से इनकार करना क्रिकेट में अल्पकालिक लाभ की तुलना में नैतिकता को उजागर करता है। प्रयास को स्वीकार करने से सहानुभूति, सहयोग और एकता जैसे मूल्य पैदा होते हैं, जो एक परिपक्व और नैतिक समाज में योगदान करते हैं। 2019 क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के प्रयासों का जश्न मनाने वाले प्रशंसकों ने परिणामों से ज़्यादा प्रयास की सराहना करने की ओर एक बदलाव दिखाया। परिणामों से ज़्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक सिद्धांतों को बढ़ावा मिलता है, खेलों में निष्पक्षता और समावेशिता की संस्कृति का पोषण होता है। यह दीर्घकालिक चरित्र निर्माण को बढ़ावा देता है और अनैतिक शॉर्टकट को रोकता है। हालांकि, एक सूक्ष्म दृष्टिकोण महत्त्वपूर्ण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रयास कौशल विकास और प्रदर्शन लक्ष्यों के साथ संरेखित हों, ताकि प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बनाए रखा जा सके और साथ ही खेल कौशल और अखंडता को बढ़ावा दिया जा सके।

कभी कभी हम अपने जीवन को सफल बनाने के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण क़दम उठाते हैं परीक्षा से इतर। अपना सब कुछ दांव पर लगाकर आगे बढ़ते हैं, पूरी जी जान से मेहनत करते हैं ताकि कुछ अच्छा हो लेकिन यह ज़रूरी नहीं कि आप सफल हो ही जाएँ। सफलता और असफलता दोनों के ही मौके समान रहते हैं। आप सफल हुए तो आपके अब तक के संघर्ष पर पूर्ण विराम लग जाएगा लेकिन दूसरी स्थिति बहुत विकट होती है जब आप अपनी मेहनत को डूबता हुआ देखते हैं। युवाओं के लिए यह स्थिति और भी ज़्यादा खराब होती है क्योंकि वह ऐसी स्थिति का सामना जीवन में पहली बार कर रहे होते हैं। ऐसे समय में धैर्य और संयम के साथ आगे बढ़ना ही सर्वोत्तम उपाय है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। ऐसे ही हिम्मती और धैर्यवान लोगों के लिए ही लिखा गया है। कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती। अंत में केवल इतना कहूंगा अपने कार्य के प्रति सदैव ईमानदार, निष्ठावान, समर्पित और वफादार रहो चाहे नौकरी हो या व्यापार।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों द्वारा कॉलेज के मुख्य द्वार का किया उद्घाटन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

पीजी कॉलेज के नव निर्मित मुख्य द्वार का उद्घाटन महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र संगठन के अंतरिम अध्यक्ष एवं महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. एसके त्रिपाठी द्वारा 16 जनवरी को किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, आलोक दुबे, ललन प्रताप सिंह, सतीश बारी, नीति सिंहदेव, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला एवं महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक गण उपस्थित रहें। महाविद्यालय के सभा कक्ष में महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्रों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाविद्यालय के विकास कार्यों की चर्चा की गई एवं महाविद्यालय के विकास

की भावी योजनाएं बनाई गई। बैठक में महाविद्यालय के भूतपूर्व छात्र अजय अग्रवाल ने आजीवन सदस्यता ग्रहण की। आने वाले समय में फरवरी-मार्च में एक अन्य बैठक किया जाना प्रस्तावित किया गया। बैठक में महाविद्यालय के भूतपूर्व प्राचार्य एवं एल्यूननि एसोसिएशन के कार्यकारिणी अध्यक्ष डॉ. एसके त्रिपाठी, पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, नगर निगम के सभापति माननीय अजय अग्रवाल एवं पार्षद आलोक दुबे, पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष संजय अग्रवाल, कांत दुबे, अनिल जैन, सतीश बारी, हिमांशु जायसवाल, आशीष जायसवाल, नीति सिंहदेव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता जयेश वर्मा सहित महाविद्यालय के अन्य भूतपूर्व छात्र एवं महाविद्यालय के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजनांतर्गत कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 23 मार्च को होगी आयोजित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025(घटती-घटना)।

अदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि पं. जवाहर लाल नेहरू उत्कर्ष योजना (यथा संशोधित- 2021) अंतर्गत प्रति वर्ष की भांति शिक्षण सत्र 2025-26 में सरगुजा जिले के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा का आयोजन 23 मार्च 2025 को दोपहर 12:00 से 2:00 बजे तक आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पात्र विद्यार्थी 14 फरवरी 2025 तक अध्ययनरत् विद्यालय के प्रधान पाठक से आवेदन पत्र अग्रेषण कराकर संबंधित विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय/ मण्डल संयोजक के पास जमा कर सकते है। अपूर्ण आवेदन एवं दस्तावेज के अभाव में आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। आवेदन पत्र का नमूना प्रत्येक विकासखण्ड कार्यालय/मण्डल संयोजक एवं कार्यालय सहायक आयुक्त आदिवासी विकास अम्बिकापुर में उपलब्ध है। योजना के संबंध में विस्तृत विवरण विभाग के वेबसाइट www.tribal.cg.gov.in एवं कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास अम्बिकापुर के सूचना पटल पर अवलोकन कर सकते हैं।

कटार दिखाकर लोगों को डराधमका रहा था युवक, पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

बतौली पुलिस ने धारदार हथियार (कटार) के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कटार दिखाकर लोगों को डराधमका रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 13 जनवारी को बतौली पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली कि खड़धोवा रोड में एक युवक कटार दिखाकर लोगों के डरा धमका रहा है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपी अभय गुप्ता उर्फ पंडरी उम्र 24 वर्ष निवासी बतौली पुराना बस स्टैंड को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कटार जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

युवक व उसके साथियों पर कार व बाइक सवार बदमाशों ने की थी जानलेवा हमला,नाबालिग सहित दो गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

6 दिन पूर्व कार व बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक व उसके साथियों के साथ रॉड व धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया था। जिसका वीडिया भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। वहीं पीड़ित युवक की रिपोर्ट पर पुलिस ने एक नाबालिग समेत दो आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार हर्षित चक्रवाती गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम डिगमा नेहरूनगर का रहने वाला है। वह 10 जनवरी को अपने साथियों के साथ बाइक से मेडिकल कॉलेज गंगापुर की ओर गया था। तभी विनीत बोस, शिवम मिश्रा, आयुश जायसवाल एवं अन्य द्वारा कार एवं दोपहिया वाहन में आकर हर्षित एवं उसके साथियों का रास्ता रोककर पुरानी रंजिश को लेकर हत्या करने की नीयत से लोहे के रॉड एवं धारदार हथियार से मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाया था। जिसका वीडिया भी वायरल हो रहा था। वहीं गंभीर चोट लगने से हर्षित को रायपुर रेफर कर दिया गया है। रेफर होने से पूर्व हर्षित ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में आरोपियों के खिलाफ दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 296, 351(2), 115(1), 109(1), 3(5) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना कर रही थी। विवेचना के दौरान गांधीनगर पुलिस ने घटना में शामिल एक नाबालिग व आरोपी विनीत बोस उम्र 24 वर्ष निवासी डिगमा नेहरू नगर थाना गांधीनगर को गिरफ्तार किया है। वहीं अन्य आरोपी अभी भी फरार चल रहे हैं। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी विनीत बोस के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जिला रेडक्रास सोसायटी सरगुजा की प्रबंध समिति के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी सह महासचिव छ.ग. रायपुर के पत्रानुसार राज्य के समस्त जिलों में वर्ष 2024-27 हेतु नवीन प्रबंध समिति गठन करने निर्देशित किया गया है। उक्त पत्र के परिपालन में भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा अम्बिकापुर जिला सरगुजा प्रबंध समिति में चेयरमेन, वॉइस चेयरमेन, कोषाध्यक्ष, राज्य प्रबंध समिति का चुनाव कराया जाना है। उन्होंने बताया कि भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा अम्बिकापुर जिला सरगुजा प्रबंध समिति में चेयरमेन, वॉइस चेयरमेन, कोषाध्यक्ष, राज्य प्रबंध समिति का चुनाव हेतु नवीन सदस्यता बनाये जाने हेतु जिला कलेक्टरेट कार्यालय में 15 जनवरी से 22 जनवरी 2025 के भीतर नवीन सदस्य बनाये जाने की प्रक्रिया की जाएगी।

आरक्षक की बाइक चोरी,खराबी आने पर सडक़ किनारे छोड़ दिया था...

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

शहर के महामाया मंदिर के पास से आरकक्षक की बाइक अज्ञात चोर ने पार कर दी। बाइक में खराबी आ जाने पर आरक्षक ने सडक़ किनारे खड़ी कर

अपने किराए के मकान गुदरी बाजार चला गया था। आरक्षक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार अमलेश्वर सिंह ग्राम सोनतरई थाना उदयपुर का रहने वाला है। वह सूरजपुर जिले के रामानुजनगर थाना में आरक्षक के पद पर पदस्थ है। 26 दिसंबर को वह एफएसएल कार्य से अंबिकापुर बाइक क्रमांक सीजी 29 एबी 0887 से आया था। रात करीब 12.30 बजे महामाया मंदिर के पास उसकी बाइक खराब हो गई थी। वह सडक़ किनारे खड़ी कर अपने किराए के मकान गुदरी बाजार के पास चला गया। दूसरे दिन सुबह जाकर देखा तो उसकी बाइक नहीं थी। किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई थी। वह अपने स्तर से अब तक खोजबीन कर रहा था। नहीं मिलने पर वह मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है।

अज्ञात शव की पहचान हुई, पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजन को सौंपा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के जनपद पारा में 15 जनवरी को सुबह करीब 6.30 बजे मृत अवस्था में मिले अज्ञात युवक की पहचान हो गई है। मृतक कंचन कश्यप पिता स्व. रमेश कश्यप 48 वर्ष सहेली गली का रहने वाला था, जो टेलर काम करता था। 14 जनवरी की शाम को लगभग 6.30 बजे वह घर में कपड़ा पहुंचाने के लिए जाने की बात कहकर निकला था, इसके बाद वह घर नहीं लौटा। स्वजन उसकी खोजबीन में लगे थे, लेकिन उसका पता नहीं चला। 15 जनवरी को सुबह टहलने के लिए निकले लोगों ने किसी को पड़े देखा और इसकी सूचना डॉयल 112 को दी थी। मौके पर पहुंची डॉयल 112 की टीम ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसका शव मर्च्युरी में रखवा दिया था। मृतक का फोटो वायरल होने के बाद स्वजन 16 जनवरी को अस्पताल पहुंचे और मृतक की पहचान कंचन कश्यप के रूप में की। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

पिछडा वर्ग के आरक्षण को शून्य करने के विरोध में कांग्रेस का धरना आज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

त्रिस्तरीय पंचायत में अन्य पिछडा वर्ग के आरक्षण को शून्य करने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा

द्वारा शुक्रवार को डाटा सेंटर पर धरना प्रदर्शन करेगी। 2025 के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में नयी व्यवस्था को लागू करते हुए सरगुजा एवं बस्तर संभाग में प्रदेश की भाजपा सरकार ने जिला पंचायत सदस्य एवं जनपद पंचायत सदस्य के पदों पर ओबीसी आरक्षण की व्यवस्था को शून्य कर दिया है। सरगुजा जिले में रजवार, मानिकपुरी, जायसवाल, कुशवाहा, तुरिया, बरगाह आदि जातियां बहुतायत से निवासरत् हैं जो अन्य पिछडा वर्ग में आति हैं। आरक्षण शून्य किये जाने से इन वर्गों के राजनैतिक हित प्रभावित हो रहे हैं। इसके विरोध में कांग्रेस पूरी ताकत के साथ विरोध प्रदर्शन करेगी। धरना प्रदर्शन दोपहर 2 बजे से 4 बजे के बीच होगा।

साथी शिक्षिका का मोबाइल हैक कर 80 हजार रुपए की साइबर ठगी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

साइबर ठग द्वारा एक शिक्षिका का मोबाइल हैक कर उसके साथी शिक्षिका के व्हाट्सअप नंबर पर मैसेज भेजकर 80 हजार रुपए ठग लिए। पीड़ित शिक्षिका ने मामले की रिपोर्ट दरिमा थाना में दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार पार्वती राजवाड़े स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय लखनपुर में शिक्षिका है। इसी विद्यालय में दीप्ति पाठक भी पढ़ातीं हैं। 9 जनवरी को पार्वती अपने बड़े भाई के दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने अवकाश लेकर आमादरहा गई थी। इसी बीच दीप्ति पाठक के व्हाट्सअप नंबर से मैसेज आया कि मेरा यूपीआई काम नहीं कर रहा है। तथा मुझे 36 हजार रूपये तत्काल जरूरत है। यह भी लिखा था कि दो घंटे में वापस कर दूंगी। साथी शिक्षिका का मैसेज देखकर पार्वती भेजे गए नंबर पर तत्काल पहले 36 हजार, फिर और पैसे मांगने पर 24 हजार तथा एक दूसरे नंबर भेजा गया उस पर 28 हजार कुल 80 हजार रुपए भेज दीं। अवकाश खत्म होने पर 11 जनवरी को शिक्षिका पार्वती राजवाड़े स्कूल पहुंची तो पता चला कि शिक्षिका दीप्ति पाठक का मोबाइल हैक कर लिया गया था। मैसेज भेजकर मांग की गई रुपए उनके द्वारा नहीं था। साइबर ठगी के शिकार होने पर शिक्षिका पार्वती ने मामले की रिपोर्ट दरिमा थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ धारा 66 डी, 318(4) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

आग से झुलसा अधेड़... इलाज के दौरान दम तोड़ा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम राजापुर में चूल्हा जलाकर आग ताप रहा अधेड़ बजरू एक्का 50 वर्ष झपकी लगने से आग में गिर गया। कपड़े में आग पकड़ लेने के कारण उसे बचाव का मौका नहीं मिल पाया और वह बुरी तरह से झुलस गया था। अधेड़ के चिल्लाने की आवाज सुनकर स्वजन पहुंचे और किसी तरह आग को बुझाने के बाद उसे सीतापुर स्वास्थ्य केन्द्र लेकर पहुंचे। यहां से रिफर करने पर अधेड़ को मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया, यहां गुरूवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन को सौंप दिया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत 366 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

जनप्रतिनिधियों ने सुखमय दाम्पत्य जीवन का दिया आशीर्वाद

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत गुरुवार को पीजी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में 366 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में शासकीय योजनाओं के माध्यम से आमजन को विभिन्न आयामों में सुविधाएं मिल रही हैं। इसी कड़ी में महिला व बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में जिले में भव्य सामूहिक विवाह कार्यक्रम के जरिए जरूरतमंद परिवारों को विवाह में होने वाले व्यय में राहत मिल रही है।

इस अवसर पर उपस्थित अंबिकापुर विधायक श्री राजेश अग्रवाल ने सभी नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद और बधाई दी। उन्होंने कहा कि योजना में बड़ा बदलाव लाते हुए शासन द्वारा वधू के खाते में इस वर्ष 35 हजार रुपए की राशि देने की शुरुआत की गई है, जिससे वे अपने दाम्पत्य जीवन के लिए अपनी इच्छा अनुसार राशि का उपयोग कर सके। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशन एवं

महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी जोड़ों को सुखी जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित की।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने नवविवाहित जोड़ों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अन्तर्गत सरगुजा जिले में 366 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे हैं। वे नए जीवन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। शासन की इस योजना से उन गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की बड़ी मदद होती है, जिन्हें कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण सामान्य रूप से विवाह का खर्च उठाने में दिक्कतें होती है। जरूरतमंद परिवारों की इन्हीं समस्याओं को दूर करने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना महती भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारा प्रयास सदा आपके कल्याण की दिशा में प्रयास करना है।

छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय तोमर ने इस अवसर पर सभी दंपत्तियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और उनके सुखद दाम्पत्य जीवन की कामना की।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के व्यय मापदंडों में बदलाव लाते हुए अब वधु के खाते में 35 हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से भेजे जा रहे हैं। विवाह आयोजन व्यवस्था में 8 हजार रुपए एवं वैवाहिक सामग्री हेतु 7 हजार रुपए निर्धारित किए गए हैं। इस तरह प्रति जोड़ा 50 हजार रुपए की राशि निर्धारित है।

योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री नूतन कंवर, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारीगण, विवाहित जोड़े और उनके परिजन उपस्थित रहे।

सुनीता विलियम्स ने सात महीने बाद पहली बार किया स्पेसवॉक, पिछले साल आई थी कूलिंग लूप में समस्या

केप कैनावेरल (अमेरिका), 16 जनवरी 2025। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर सात महीने से अधिक समय बिताने के बाद पहला स्पेसवॉक किया। स्टेशन की कमांडर विलियम्स को नासा के निक हैग के साथ मिलकर कुछ जरूरी बाहरी मरम्मत का काम करना पड़ा। योजना के मुताबिक, अगले हफ्ते सुनीता और बुट्ज विल्मोर फिर स्पेसवॉक करेंगे।

मार्च या अप्रैल के अंत तक घर वापस आएंगी विलियम्स

विलियम्स और विल्मोर ने पिछले साल जून में बोइंग के नए स्टारलाइनर कैप्सूल के साथ उड़ान भरी थी, जो एक हफ्ते का परीक्षण मिशन था। लेकिन लेकिन स्टारलाइनर में कुछ समस्याएं आ गईं, जिसके कारण उनकी वापसी में देरी हुई। फिर नासा ने उन्हें कैप्सूल खाली करके वापसे भेजने का आदेश दिया। फिर उसको बदलने में स्पेसएक्स ने लॉन्च में देरी की, जिस वजह से विलियम्स और विल्मोर मार्च या अप्रैल के अंत तक घर वापस पाएंगे। यानी मिशन शुरू होने के करीब दस महीने बाद वह धरती पर लौटेंगे।

पिछले साल रोका गया था स्पेसवॉक

यह नासा के अंतरिक्ष यात्रियों का पहला स्पेसवॉक था, जो पिछली गर्मियों में समस्या के कारण रुक गया था।

स्पेसवॉक को उस समय रोक दिया गया था, जब एक अंतरिक्ष यात्री के सूट के कूलिंग लूप (कूलिंग प्रणाली में पानी का उपयोग होता) से पानी एयरलॉक (वह क्षेत्र जहां से अंतरिक्ष यात्री बाहर निकलते हैं) में आ गया था।

अब नासा ने उस समस्या का समाधान निकाल लिया है। भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स का यह आठवां स्पेसवॉक था और वह पहले भी अंतरिक्ष में रह चुकी हैं।

महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल को झटका

कोर्ट ने खारिज की रिहाई की याचिका

सिओल,16 जनवरी 2025। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने महाभियोग का सामना कर रहे राष्ट्रपति यून सुक योल की रिहाई की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। उनके वकीलों ने आज यह याचिका दायर की थी। सुक योल को बुधवार को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। उन पर पिछले महीने मार्शल लॉ लगाकर देश में विद्रोह कराने का आरोप है।

पूछताछ में यून ने नहीं दिए अधिकांश सवालों के जवाब

सुक योल से बुधवार को दस घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ की गई । इसके बाद उन्हें सिओल के पास एक हिरासत केंद्र में भेजा गया। पूछताछ के दौरान उन्होंने अपने चुप रहने के अधिकार का उपयोग किया और गुरुवार को अधिकांश सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया। उनके वकीलों का कहना है कि यह जांच गैरकानूनी है।

सियोल केंद्रीय जिला अदालत ने खारिज की रिहाई की याचिका

वकीलों ने सियोल केंद्रीय जिला अदालत से आग्रह किया था कि वह सुक योल की रिहाई पर विचार पर करे। इसके अलावा, सुक योल के खिलफ जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट की वैधता को भी चुनौती दी गई थी। लेकिन अदालत ने गुरुवार देर शाम उनकी याचिका को खारिज कर दिया।

बाइडन ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जारी किए आदेश,हैकिंग समूहों के खिलाफ कार्रवाई होगी आसान

वॉशिंगटन,16 जनवरी 2025। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने देश की साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक आदेश जारी किया। इसका उद्देश्य अमेरिकी इंटरनेट और दूरसंचार प्रणालियों से समझौता करने की कोशिश करने वाले हैकिंग समूहों के खिलाफ कार्रवाई को आसान बनाना है। इसके साथ ही अमेरिका पर निशाना बनाने वाले विदेशी सरकारों पर प्रतिबंध लगाना भी आसान हो जाएगा। अमेरिका में यह बदलाव चीन, ईरान, रूस और उत्तर कोरिया में कई हालिया हैकिंग घटनाओं के बाद किया गया है। यह आदेश उन विदेशी हैकरों पर प्रतिबंध लगाने की अनुमति देता है जो अस्पतालों या अन्य संगठनों को रैंसमवेयर से निशाना बनाते हैं। साइबर विशेषज्ञों का कहना

है कि इसका इस्तेमाल कई प्रणालियों में आसानी से सेंध लगाने के लिए किया जा सकता है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिसका सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा पर प्रभाव हो सकता है। व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल समाप्त होने के कुछ ही दिन पहले इस आदेश को जारी किया। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस आदेश को रद्द कर सकते हैं। लेकिन उपराष्ट्रीय ऐनी न्यूबर्गर ने कहा कि आदेश के दो लक्ष्य हैं। पहला, साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और साइबर हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करना। दूसरा, द्विदलीय समर्थन जीतना। ऐनी न्यूबर्गर ने कहा, ÷आदेश का उद्देश्य यह दिखाता है कि जब हमारे व्यवसायों और हमारे नागरिकों की सुरक्षा की बात आती है तो अमेरिका का मतलब व्यवसाय है। इस महीने की शुरुआत में व्हाइट हाउस ने उपभोक्ताओं को हैकिंग के प्रति स्मार्ट डिवाइस चुनने में मदद करने के लिए एक कार्यक्रम की घोषणा की थी। साइबर ट्रस्ट मार्क कार्यक्रम के तहत, इंटरनेट से जुड़े उपकरणों के निर्माता खरीदारों को यह बताने के लिए लेबल संलग्न कर सकते हैं कि उत्पाद संघीय साइबर सुरक्षा मानकों को पूरा करता है। ट्रंप ने फिलहाल अपनी नई सरकार में शीर्ष राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा पदों के लिए किसी के नाम की घोषणा नहीं की।

पोप फ्रांसिस के हाथ में लगी गंभीर चोट, वेटिकन ने बताया ये कारण; बीते महीने भी हुआ था कुछ ऐसा

वेटिकन सिटी, 16 जनवरी 2025। पोप फ्रांसिस से जुडी एक बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि गिरने के कारण उनके हाथ में चोट लग गई है। वेटिकन के एक प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि पोप फ्रांसिस गुरुवार को गिर गए जिससे उनकी बांह पर चोट लग गई। हालांकि फ्रांसिस का हाथ नहीं टूटा है लेकिन एहतियात के तौर पर उन्हें स्लिंग पहनाया गया है।

बीते महीने ठोड़ी में लगी थी चोट

इससे पहले हाल ही में सेंट पीटर्स बेसिलिका में 21 नए कैथोलिक कार्डिनलों को पदभार सौंपने के मौके पर आयोजित समारोह में ठोड़ी में लगी चोट के साथ देखा गया था। जिसको लेकर बताया गया था कि गिरने के कारण उन्हें यह चोट लग गई थी। अब एक बार फिर उनको लेकर ऐसी खबर सामने आई है। प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रांसिस से किए गए थे सम्मानित

बीते शनिवार को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पोप फ्रांसिस को प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रांसिस सम्मान से सम्मानित किया था। इसको लेकर बाइडन ने कहा कि पोप विश्वास आशा और प्रेम की एक प्रकाश हैं जो पूरी दुनिया में चमकती है। बता दें कि ये उपाधि राष्ट्रपति द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च नागरिक सम्मान है।

अपना पद छोड़ सकते हैं पोप फ्रांसिस

पूर्व पोप बेनेडिक्ट XVI ने साल 2013 में अपने गिरते शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देते पोप का पद छोड़ दिया था। जिसके बाद फ्रांसिस को पोप बनाया गया था। अब ऐसा माना जा रहा है कि पोप फ्रांसिस भी उनकी राह पर चलते हुए पद छोड़ सकते हैं। हाल के वर्षों में पोप की गतिशीलता में स्पष्ट रूप से गिरावट आई है। साल 2022 से वे घुटने के दर्द और बार-बार होने वाले साइटिका या तंत्रिका तंत्र संबंधी दर्द के चलते व्हीलचेयर पर निर्भर हैं। अब फ्रांसिस को अपने विमान में चढ़ने के लिए लिफ्ट का उपयोग करना पड़ता है।

वेटिकन ने पोप के स्वास्थ्य के लिए उठाए गए किसी भी एहतियाती कदम, जैसे कि स्थानीय अस्पतालों के साथ किए गए संभावित प्रबंधों के बारे में कोई विवरण नहीं दिया है। साल 2023 की शुरुआत में फ्रांसिस की अफ्रीका यात्रा के दौरान, एक पूरी तरह से सुसज्जित आधुनिक एम्बुलेंस हर जगह पोप के साथ चलती थी ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

युद्धविराम की घोषणा के बाद से इस्राइली हमलों में 72 की मौत, हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय का दावा

तेल अवीव,16 जनवरी 2025। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि युद्धविराम समझौते की घोषणा के बाद से इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 72 लोग मारे गए। मंत्रालय ने कहा ये आंकड़े केवल गाजा सिटी के दो अस्पतालों में पहुंचे शवों से संबंधित हैं और वास्तविक संख्या इससे अधिक हो सकती है।

मंत्रालय के पंजीकरण विभाग के प्रमुख जहीर अल-वहीदी ने कहा, कल एक खूनी दिन था और आज स्थिति और भी खराब हो गई है। इससे पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि हमास के साथ आखिरी समय में संकट के कारण इस्राइल युद्धविराम समझौते को मंजूरी देने में देरी कर रहा था। इस युद्धविराम समझौते का मकसद गाजा पट्टी में संघर्ष को रोकना और कई बंधकों को रिहा करना है।

नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और कतर की मध्यस्थता से युद्धविराम समझौते की घोषणा के कुछ ही घंटों के बाद समझौते में कुछ दिक्कतों की ओर इशारा

किया था। बुधवार को घोषित समझौते के तहत गाजा से कई बंधकों को रिहा किया जाएगा और फलस्तीनी बंदियों को इस्राइल से लौटने की अनुमति होगी। युद्धविराम के बाद युद्ध को समाप्त करने की दिशा में कदम उठाए जाएंगे। इस्राइल और हमास के बीच बीते पंद्रह महीने से युद्ध जारी था, जिसके खिलाफ दुनिया भर में विरोध प्रदर्शन देखने को मिले थे।

रूस से दो-दो हाथ करने को तैयार एक और पिद्दी सा पड़ोसी देश, तैनात किए मिसाइल-फाइटर जेट

वॉरसा, 16 जनवरी 2025। रूस और उसके पड़ोसी देश पोलैंड के बीच फिर से तनाव गहरा गया है। हालात इतने बिगड़ गए हैं कि पोलैंड ने उत्तरी सीमा पर फाइटर जेट और मिसाइलों को तैनात कर दिया है ताकि किसी भी रूसी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके। पोलैंड के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि उसने यूक्रेन पर रूस के बड़े पैमाने पर मिसाइल हमलों को देखते हुए और आसन्न खतरों के जवाब में अपने लड़ाकू विमानों को तैनात कर दिया है। पोलैंड की सेना इस बात से चिंतित है कि रूसी मिसाइलें उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन कर रही हैं। लिहाजा, पोलैंड ने अपनी सैन्य सतर्कता बढ़ा दी है और लड़ाकू जेट तैनात कर दिए हैं।

दरअसल, यूक्रेन के पश्चिमी क्षेत्रों को निशाना बनाकर किए गए रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों ने कभी-कभी पोलैंड और रोमानिया जैसे छोटे और नाटो सदस्य देशों के

हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। इससे पोलैंड खतरा महसूस कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि रूस ने पश्चिमी इलाकों में मिसाइल हमले तेज कर दिये हैं और इस बात की भी आशंका जताई गई है कि रूसी मिसाइल यूक्रेन को निशाना बनाने के साथ ही पोलैंड में भी हवाई हमले कर सकते हैं।

यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, रूसी आक्रमण में Tu-95MS बमवर्षकों से लॉन्च की गई Kh-101 मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा रूसी सेना Kalibr मिसाइलें दाग रही हैं, जो काले सागर से खेरसॉन ओब्लास्ट के माध्यम से यूक्रेन में प्रवेश कर रही हैं। यूरेशियन टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इन मिसाइल हमलों के अलावा, रूस ने विभिन्न स्थानों पर किंजल मिसाइलें, बैलिस्टिक हथियार और 74 ड्रोन तैनात कर रखे हैं। इससे पोलैंड की परेशानी बढ़ गई है।

पोलैंड के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में कहा है कि पश्चिमी यूक्रेन के कई ठिकानों पर किए गए लक्षित हमलों के दौरान कई रूसी सैन्य विमान हमारे हवाई क्षेत्र में मंडरा रहे हैं। इस हालात ने पोलैंड की चिंता बढ़ा दी है और युद्ध के लिए तैयारी करने पर पोलैंड मजबूर हुआ है। एक दिन पहले ही पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने रूस पर दुनिया भर में गड़बड़ी करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है, जिसमें एयरलाइन के खिलाफ हवाई आतंक की गतिविधियां भी शामिल हैं।

तेहरान नहीं तो फिर कौन-सा शहर होगा ईरान की राजधानी जिससे जुड़ी है अलेक्जेंडर की कहानी ?

नई दिल्ली/जकार्ता, 16 जनवरी 2025। कुछ वक्त पहले इंडोनेशिया ने अपनी राजधानी जकार्ता से बदलकर नुसंतारा करने का फैसला लिया था। इससे पहले म्यांमार,कजाकिस्तान, तंजानिया, नाइजीरिया और पाकिस्तान समेत कई देश अपनी अपनी राजधानी सिटी बदल चुके हैं।

अब इसी तर्ज पर ईरान भी अपनी राजधानी बदलने की तैयारी कर रहा है। ईरान तेहरान शहर से राजधानी का दर्जा हटाकर मकरान को नई राजधानी बना रहा है। ईरान सरकार की प्रवक्ता फातेमेह मोहजेरानी ने इसकी पुष्टि भी की है।

ईरानी प्रवक्ता फातेमेह मोहजेरानी ने कहा कि ईरान की नई राजधानी देश के दक्षिण हिस्से में होगी। 90 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहर तेहरान पर अच्छा खासा दबाव हो गया है।

इतना ही नहीं, तेहरान की गिनती दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में होती है। तेहरान में रहने वाले लोगों को पानी, बिजली और रसोई गैस जैसी मूलभूत चीजों की कमी से जूझना पड़ रहा है। जनसंख्या के दबाव के अलावा, राजधानी बदलने का दूसरा कारण यह है कि तेहरान में भूकंप का खतरा बढ़ गया है।

मकरान को ही राजधानी के लिए क्यों चुना? अब सवाल आता है कि ईरानी सरकार ने राजधानी को तेहरान से बदलने के लिए मकरान को क्यों चुना। दरअसल, यह शहरा ईरान के दक्षिण में स्थित एक तटीय एरिया है, जिसकी तटरेखा करीबन 1000 किलोमीटर लंबी है। मकरान को राजधानी बनाने पर समुद्र पर आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने में खासा मदद मिलेगी।

इस क्षेत्र के कुदरती संसाधन मकरान को व्यावसायिक और समुद्री कार्यों के लिहाज से दुनिया भर के लिए बड़ा हब बना सकते हैं। ईरान मकरान एरिया को नए समुद्री व्यापारिक कॉरिडोर बनाना

चाहता है। दूसरी ओर से इससे मध्य एशिया और हिंद महासागर के बीच कनेक्टिविटी आसान हो जाएगी।

तेहरान के सामने हैं ये समस्याएं तेहरान को 200 साल से ज्यादा वक्त हो गया है, जब ईरान की राजधानी बनाया गया था। इसलिए यह शहर राजधानी के तौर पर उतना मॉर्डन नहीं है, जितना की दुनिया भर के अन्य देशों की राजधानी हैं।

तेहरान की आबादी अभी 90 लाख है। आगामी 30 सालों में यह 2 करोड़ तक पहुंच सकती है। इसके चलते इस शहर में आबादी को मैनेज करना कठिन हो जाएगा।

तेहरान में लगातार पानी, बिजली और रसोई गैस का संकट बढ़ता जा रहा है। कई इलाकों में बिजली-पानी की भारी किल?लत हो जाती है।

ईरान की मौजूदा राजधानी तेहरान दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में शामिल है। ईरानी स्वास्थ्य मंत्रालय की मानें तो हर साल वायु प्रदूषण से 6400 लोगों की मौतें अकेले तेहरान में होती हैं।

तेहरान की गिनती भूकंपीय जोखिम वाले क्षेत्रों में होती है। सीस्मोलॉजिस्टों ने चेतावनी दी है कि तेहरान में बड़े भूकंप की वजह से लाखों लोगों की जान खतरे में आ सकती है। ईरान की नई राजधानी भारत के करीब होगी? अगर ईरान अपनी राजधानी बदलता है तो इसका फायदा भारत को भी होगा। ईरान की नई राजधानी मकरान भारत के करीब आ जाएगी। भारत मकरान क्षेत्र में ही चाबहार पोर्ट को विकसित कर रहा है। इसी क्षेत्र में राजधानी बनने से पूरे क्षेत्र की प्रगति होगी। ईरान की नई राजधानी बनने में अभी समय लगेगा। इस पर अच?छा खासा खर्च भी होगा। इस कारण ईरान के कई लोग इस विचार से संतुष्ट नहीं है। मकरान वही इलाका है, जहां अलेक्जेंडर की सेना के एक तिहाई से जयादा सैनिक मर गए थे। दरअसल, भारत में पोरस से जंग के बाद अलेक्जेंडर की सेना इस क्षेत्र से गुजरी तब सैनिक भीषण गर्मी और पानी की कमी को सहन नहीं कर पाए थे और एक तिहाई सेना खत?म हो गई।

सूरजपुर पुलिस ने हेलमेट पहनकर बाईक चलाने व कार में सीट बेल्ट लगाने वालों को गुलाब फूल देकर किया सम्मानित

सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति नागरिकों किया जा रहा जागरूक

-संवाददाता-
सूरजपुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

जिले में 36वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह 2025 मनाया जा रहा है। डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने सड़क पर सुरक्षित आवागमन के प्रति लोगों को जागरूक करने, हेलमेट पहनकर बाईक चलाने वालों को फूल देकर सम्मानित करने तथा यातायात नियमों के पालन को लेकर नागरिकों में जागरूकता बढ़े इसके आयोजन करने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिए है।गुरूवार, 16 जनवरी को थाना रामानुजनगर पुलिस के द्वारा सड़क दुर्घटनाओं को रोकने, यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देना और लोगों को सुरक्षित यातायात के लिए प्रेरित किया गया,साथ ही जो वाहन चालक हेलमेट पहनकर बाईक चलाते पाए गए उन्हें गुलाब का फूल देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी रामानुजनगर के द्वारा नागरिकों को यातायात नियमों का पालन न करने से होने वाले जान-माल की हानि पर प्रकाश डालते हुए सुरक्षित वाहन चालान की महत्ता बताई गई। सूरजपुर पुलिस द्वारा अपील की गई है कि हमेशा यातायात नियमों का पालन करें, वाहन के सभी दस्तावेज दुरुस्त रखें, बिना हेलमेट और बिना सीट बेल्ट के वाहन न चलाएं, नशे की स्थिति में वाहन चलाने से बचे, ओव्हर स्पीडिंग न करें, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने और नाबालिग बच्चों को वाहन न देने की अपील की गई।

कोरबा पुलिस ने मोडिफाइड सायलेंसरों और प्रेशर हॉर्न पर कुल 17 पर की गई कार्यवाही

ध्वनी प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए कोरबा पुलिस कर रही जनता से अपील

-संवाददाता-
कोरबा,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

ध्वनी प्रदूषण रोकथाम हेतु जिला कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन पर थाना/चौकी यातायात पुलिस द्वारा मोडिफाइड सायलेंसरो एवं प्रेशर हार्न के विरूद्ध एमवी एक्ट के तहत् की कार्यवाही की गई है। कोरबा पुलिस के द्वारा ध्वनि प्रदूषण वाली मोटरसाइकिलों के खिलाफ चलाई गई विशेष अभियान में कुल 17 नग साईलेंसरों एवं साथ में प्रेशर हॉर्न को पुलिस ने कब्जा में लिया। पुलिस के द्वारा इसमें एमवी एक्ट की कार्यवाही की एवं 39,100 रुपए का समन शुल्क लिया गया। इस कड़ी में वाहन चालको को समझाईस भी दिया गया। कोरबा पुलिस के द्वारा विभिन्न ऑटो पार्ट्स/ गैरेज दुकानों में भी रेड कार्यवाही की जा रही है और मॉडीफ़ाइड साइलेंसर और प्रेशर हॉर्न मिलने पर उनके ऊपर भी वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। कोरबा पुलिस आप सभी से अनुरोध करती है कि आप सुरक्षित रहें व साथ ही साथ मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट पहनकर वाहन चलाएं और ध्वनी प्रदूषण वाली मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल न करें। और अगर कही मॉडीफ़ाइड साइलेंसर बिक रहा है तो उसकी सूचना हमें दे। ड्राइविंग करते समय सीट बेल्ट का उपयोग अवश्य करे।इससे आप न केवल अपनी सुरक्षा की गारंटी करेंगे, बल्कि समृद्धि की दिशा में भी मदद करेंगे। हम सभी को एक सुरक्षित और शांत सड़कों की दिशा में एकजुट होकर दुर्घटना मुक्त शहर बनाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

प्रदेश नगरीय निकाय चुनाव समिति में पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल भी शामिल

-संवाददाता-
कोरबा,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

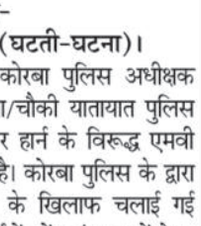

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने प्रदेश में अधिक से अधिक सीट जीतने के लिए प्रदेश कांग्रेस को मजबूत बनाने की दिशा में लगातार रणनीति बना रहे हैं। उनके द्वारा प्रदेश नगरीय निकाय चुनाव समिति एवं घोषणा पत्र समिति की घोषणा की है। नगरीय निकाय चुनाव समिति में 18 सदस्य मनोनीत किया गया है, जिसमें कोरबा के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल को भी शामिल किया गया है। श्री पायलट ने नगरीय निकाय चुनाव समिति में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव सहित संगठन सहप्रभारी एस ए संपत, जरीता लैतफलांग एवं विजय जांगिड़ सहित 18 वरिष्ठ नेताओं एवं पूर्व मंत्रियों-पूर्व विधायकों को शामिल किया हैं। जयसिंह अग्रवाल को भी नगरीय निकाय चुनाव समिति में शामिल किया गया है। ये सभी 18 सदस्य चुनाव जीतने की रणनीति पर अपना सुझाव देंगे। जयसिंह अग्रवाल को बड़ी जिम्मेदारी मिलने पर कोरबा जिला कांग्रेस में हर्ष व्याप्त है। घोषणा पत्र समिति में राजकिशोर प्रसाद, प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने नगरीय निकाय चुनाव में जीत के लिए सुझाव देने हेतु घोषणा पत्र समिति के लिए घोषणा की है। इस समिति में संयोजक के रूप में पूर्व मंत्री सत्यनारायण शर्मा को जिम्मेदारी दी गई है और इसमें 12 सदस्य बनाये गये हैं,जिसमें कोरबा महापौर राजकिशोर प्रसाद को सदस्य बनाया गया है। श्री प्रसाद ने कहा कि समिति के सदस्यों के साथ मिलकर एक जनहितैषी एवं जन सरोकार युक्त घोषणा पत्र तैयार किया जायेगा।

संगीतकार मिथुन के गीतों ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

ठंड में भी मिथुन शर्मा का चला जादू,गानों ने बांधा समां

बालीवुड के मशहूर गीत व संगीतकार श्री मिथुन शर्मा ने अपने साथी कलाकार श्री शनि हिंदुस्तानी, साज भट्ट व अन्य कलाकरों के साथ प्रस्तुति दी। तातापानी मेले की सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों ने आवाज का ऐसा जादू चलाया कि कड़कड़ाती ठंड में भी वहां उपस्थित हजारों दर्शक जमकर झूम उठे। मंच पर आते ही उन्होंने ने बॉलीवुड गानों के साथ दर्शकों के दिल में अपनी जगह बना ली। गानों को सुनकर लोग आनंद से विभोर हो गए। इस दौरान जिला न्यायाधीश श्री हेमन्त श्राफ, कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रेना जमील, जिले के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

स्कूली छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

जिले के विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं ने सुआ, कर्मा, गेड़ी, भांगड़ा नृत्य की प्रस्तुति से अतिथियों का मन मोहा। इसके साथ ही जिले के विभिन्न स्थानों से आये स्थानीय कलाकारों ने अपने नृत्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ की कला व संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। इस दौरान उपस्थित दर्शकों ने पूरी तन्मयता के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का जमकर लुत्फ उठाया। इस दौरान जिले के गणमान्य नागरिक श्री ओमप्रकाश जायसवाल सहिज क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण एवं वरिष्ठ अधिकारी सहित बड़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

तातापानी महोत्सव के दूसरे दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने उमड़ी लोगों की भीड़ आदिवासी परिधान और आभूषणों में छात्र-छात्राओं ने किया फैशन रैंप वॉक

-संवाददाता-
बलरामपुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।

तातापानी महोत्सव 2025 के दूसरे दिवस आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्कूली बच्चों, स्थानीय कलाकारों तथा सांस्कृतिक संध्या में आमंत्रित कलाकारों ने मंच साझा किया। सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में बॉलीवुड के मशहूर गीत व संगीतकार श्री मिथुन शर्मा अपने साथियों के साथ अपनी आवाज की छटा बिखेरी, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गये और खड़े होकर बड़े उत्साह से तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का सम्मान किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत जिले के स्कूली तथा महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य से शुरू हुआ। छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति व तीज त्यौहारों के साथ ही देशभक्ति गानों की थीम पर थिरकते हुए स्कूली बच्चों की प्रतिभा को देखकर उपस्थित दर्शकों ने भी उनका उत्साहवर्धन किया।

आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और जागरूकता की दिशा में अनूठी पहल

तातापानी महोत्सव के दूसरे दिन आदिवासी संस्कृति के संरक्षण एवं जागरूकता के लिए जिला प्रशासन द्वारा ट्राईबल फैशन वॉक किया गया। जिसमें कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने आदिवासी आभूषणों एवं परिधानों को पहनकर रैम्प वॉक किया, जिसे दर्शकों की खूब सराहना मिली। विलुप्त हो रहे आदिवासी संस्कृति को फिर से सहेजने के साथ ही दर्शकों को जनजातीय समुदाय और उनके जीवन शैली को प्रदर्शित करने व समझने के लिए जिला प्रशासन की यह पहल अनूठी रही। ट्राईबल फैशन वॉक के द्वारा दर्शकों को आदिवासी संस्कृति तथा उनके पहनावे को जानने का बेहतर मौका भी मिला। जिससे आदिवासी जीवनशैली और उनके परंपरागत पहनावे की सजीव झलक देखने को मिली। दर्शकों ने इसे अत्यधिक सराहा। ट्राइबल फैशन वॉक में आदिवासी संस्कृति की झलक मुख्य रूप से पारंपरिक परिधानों, हस्तशिल्प जो आदिवासी समुदायों के इतिहास और उनकी संस्कृति को ,आदिवासी कला, उनके परंपरागत वस्त्र और जीवनशैली को प्रदर्शित किया गया।

कार्यालय अधिष्ठाता
राजामाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव,शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय,अम्बिकापुर,सरगुजा,छ0ग0

फोनः 07774-297800 Email:- deanmedicalcollegsurguja@gmai
क्रमांक/306/क्रय/शाचिम/2025 अम्बिकापुर,दिनांक - 16/01/2025

निविदा

राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा,छ0ग0 की ओर से पुस्तक एवं शोधपत्रिकाओं के प्रकाशन अथवा उनके अधिकृत विक्रेताओं से पुस्तक एवं शोधपत्रिकाओं को प्रदान करने हेतु मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र क्रय हेतु स्थानिय कार्यालय से कार्यालयीन समय में आवेदन पत्र एवं निविदा प्रपत्र शुल्क रूपये 1500/- डी0डी0 के रूप में DEAN,Rajmata Shrimati Devendra Kumari Singh Govt. Medical College Ambikapur, Surguja C.G.के नाम से जमा करने पर प्रदाय किया जायेगा। निविदा संबंधित जानकारी महाविद्यालय के वेबसाईट http:www.gmcambikapur.co.in में अवलोकन कर प्राप्त किये जा सकते हैं।

निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि - 31/01/2025 समय-संध्या 05 बजे तक।
निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि - 20/02/2025 समय -दोपहर 03 बजे तक।
निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 20/02/2025 समय-संध्या 04 बजे तक।

स्थान- राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अम्बिकापुर,सरगुजा,छत्तीसगढ़

अधिष्ठाता
राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कुमारी सिंहदेव
शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय
अम्बिकापुर,सरगुजा,छ0ग0

जी.नं.- 242505391/1

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर जिला-सगुजा,छ0ग0

ईश्तहार

लखनपुर,दिनांक 02/01/2025

प्रति,
समस्त ग्रामवासी
ग्राम - बेलखरिखा
तहसील-लखनपुर

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिव कुमार तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (चाचा) स्व0 देवरतन सिंह की मृत्यु दिनांक 13/11/2011 को हो जाने से जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13(3)एवं छत्तीसगढ़ जन्म-मृत्यु रजिस्टर नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है। जिस पर दिनांक 27/01/2025 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र आदि किसी आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 27/01/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सील **नायब तहसीलदार लखनपुर,सरगुजा**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवप्रकाश साहू आ0 रामसेवक साहू जाति तेली निवासी दरौंपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 105/3,105/4 रकबा 0.011,0.010 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा,रजिस्ट्री की प्रति,आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है,जो न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 31/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2024-25

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सिकन्दर दास आ0 पंचलाल दास जाति तेली निवासी मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 खसरा नंबर 105/6,106/9 रकबा 0.007, 0.014 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा,भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट,रजिस्ट्री की प्रति,आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है,जो न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि दिनांक 31/01/2025 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निधारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 15/01/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर**

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202501020700072

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः-2024-25

सोनपुरखुर्द प.ह.नं.00029 [171/8(0.0200हे.)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-हीरा सिंह,
अनावेदक पक्षकार-हिरोदिया वेवा,

ईश्तहार

आवेदक हीरा सिंह सिंह आ0 सुखराम सिंह निवासी ग्राम सुखरी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा ग्राम सोनपुरखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 27/11, 92/3 रकबा 0.405, 0.930 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो में वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुतत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/01/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील **तहसीलदार अंबिकापुर**

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202501020700071

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-राजस्व सनः-2024-25

फुन्दुरडिहारी प.ह.नं.00016 [194/23(0.0060हे0)]
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-राजेश कु0चतुर्वेदी,
अनावेदक पक्षकार-विष्णु कान्त चौबे,

ईश्तहार

आवेदक राजेश कुमार चतुर्वेदी आ0 कृष्णकान्त चौबे निवासी गोधनपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित भूमि खसरा नंबर 194/23 रकबा 0.034 हे0 मेसे 580.8 वर्गफीट भूमि के राजस्व अभिलेखों में नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/01/2025 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुतत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/01/2025 को जारी किया जाता हैं।

सील **तहसीलदार अंबिकापुर**

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रामानुजनगर,जिला-सूरजपुर(छ0ग0)

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत पटना को सूचित किया जाता है । आवेदिका सरिता साहू पति श्यामलाल साहू जाति तेली निवासी पटना तहसील रानुजनगर, जिला-सूरजपुर,छ0ग0 के द्वारा अधिवक्ता श्री रविन्द्र कुमार साहू के माध्यम से अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-पटना प0ह0नं0-12 रा0नि0म0 पटना तहसील रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर, छ0ग0 स्थित भूमि खसरा क्रमांक 445/4 रकबा 0.10 हे0 में से 0.04 हे0 को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदिका द्वारा व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है। आवेदिका द्वारा आवेदन-पत्र के साथ,रजिस्ट्री की छायाप्रति, शपथ-पत्र, ग्राम पंचायत अनापत्ति सहखातेदार का सहमति प्रमाण पत्र,सरगुजा स्टेट सेटलमेंट की छयाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतएवं उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 31/01/2025 को न्यायालययीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 08/01/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील **अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर**

CMYK

नगर विकास समिति का प्रत्याशी भाजपा कांग्रेस की बढ़ा सकता है परेशानी ?

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।
नगरी निकाय चुनाव की तिथि अभी निश्चित नहीं हुई है, अंतिम प्रक्रिया का दौर चल रहा है वहीं कभी भी आचार संहिता लग सकता है, इस बीच यह भी बातें तय हो गई है की नगरीय निकाय चुनाव में बहुत कम समय मिलेगा और कम समय में ही भाग्य आजमाइश प्रत्याशियों की चलेगी, कोरिया जिले में सिर्फ पटना में ही नगर पंचायत का चुनाव होना है जो नगरीय निकाय चुनाव है, और पहली बार पटना नगर पंचायत होने के बाद पहला चुनाव होने वाला है, जिस वजह से यह चुनाव काफी अहम हो गया है राष्ट्रीय पार्टियों के लिए भी और स्थानीय स्तर के प्रत्याशियों के लिए भी, जहां राष्ट्रीय पार्टी भाजपा कांग्रेस अपने प्रत्याशी चयन को लेकर असमंजस की स्थिति में है वहीं पटना की नगर विकास समिति अपना प्रत्याशी भी जल्द तय कर सकती है। वहीं जहां कांग्रेस प्रत्याशी चुनने का जिम्मा लगभग पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष यवत सिंह पर छोड़ रखी है, जिसमें यह माना जा रहा है कि उनका प्रत्याशी लगभग तय है वहीं भारतीय जनता पार्टी पूर्व सरपंच को पार्टी में शामिल कर उस पर दाव लगाने की फिराक में है, वही इस समय जन चर्चाओं का विषय यह बन गया है कि पूर्व सरपंच के भाजपा में जाने से उनकी जीत की संभावनाएं कम होने लगी है, वहीं ऐसे में नगर विकास समिति का अपना प्रत्याशी उतरना कहीं ना कहीं पूरे नगर पंचायत चुनाव को त्रिकोणीय बना देगा, वैसे नगर विकास समिति का गठन या उसके स्थापना का उद्देश्य चुनाव लड़ना ही था यह पहले से ही तय था, यह अब समझा जा सकता है और यह माना जा सकता है कि नगर विकास समिति का गठन केवल चुनाव उद्देश्य से किया गया था और गठन का उद्देश्य राजनीतिक रोटी सेंकना था और वह भी तब जब राजनीतिक दलों से समिति से जुड़े लोगों को भाव न मिले।

खैर नगर विकास समिति का ही प्रत्याशी सर्वमान्य हो जायेगा यह कहना जल्दबाजी होगी या बहुत बड़ी हड़बड़ी वाली बात होगी, क्योंकि उससे जुड़ा कौन व्यक्ति अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को अपने घर की महिला सदस्य के सहारे पूर्ण करने का प्रयास करेगा या अपना दावा महिला सदस्य के नाम के सहारे आगे रखेगा वहीं वह ही स्वीकार होगा, समिति द्वारा और उसे ही ग्राम की जनता चुनेगी यह भी अभी से कहना जल्दबाजी होगी क्योंकि पटना का राजनीतिक समीकरण काफी हटकर बनता है जिसे जल्दी से समझना मुश्किल, वैसे भी नगर विकास समिति में सभी राजनीतिक दलों के लोग शामिल हैं और वहीं इसमें शामिल लोग सोशल मीडिया में ही अभी तक प्रसिद्ध हैं, वहीं एक दो उपलब्धि भी उनके नाम के आगे यदि जुड़ी है वह राजनीतिक जुड़ी है भाजपा से ही उन उपलब्धियों का नाता है वैसे के इस समिति में काफी प्रतिष्ठित लोग हैं आम लोग इस समिति में शामिल नहीं है, जो अपना पढ़ा लिखा प्रत्याशी जनता के सामने रखेंगे वैसे सभी का प्रत्याशी पढ़ा लिखा होगा यह भी तय है। वैसे नगर विकास समिति का प्रत्याशी दोनों राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों के लिए मुश्किल बनेगा, नहीं बनेगा यह देखने वाली बात होगी।

क्या पूर्व सरपंच ने बैकडोर से भाजपा में किया प्रवेश...क्या भाजपा से बनना चाहती हैं अध्यक्ष पद की प्रत्याशी ?

पूर्व सरपंच का भाजपा में शामिल होना और भाजपा से प्रत्याशी बनना क्या पहुंचा सकता है उन्हें नुकसान ?

पटना प्रथम नगर पंचायत चुनाव में राष्ट्रीय पार्टी के प्रत्याशी को नकार सकती है जनता ?

पटना नगर पंचायत चुनाव हो सकता है त्रिकोणी....राजनीतिक पार्टी के अलावा नगर विकास समिति का प्रत्याशी भी हो सकता है मैदान में

क्या नगर विकास समिति अपना प्रत्याशी चुनाव में उतारकर उसे जीत दिला ले जाएगी ?

नगर विकास समिति का गठन राजनीतिक महत्वाकांक्षा व शहर के विकाश की पूर्ति के लिए किया गया था, यह तब तय हो जायेगा जब वह अपना प्रत्याशी चुनावी मैदान में उतारेगी। अब देखना है वह अपने प्रत्याशी को जीत दिला ले जा पाती है कि नहीं? वैसे नगर विकास समिति के सदस्यों में अधिकाशं प्रतिष्ठित और संभ्रांत बड़े लोग शामिल हैं वहीं आम लोग निचले तबके के वंचित समूह के लोग इस समिति के उन सदस्यों में शामिल नहीं जिनके साथ इनकी तस्वीर देखी जाती हो। नगर विकास समिति के सदस्यों की तरफ से प्रत्याशी भी आम नहीं खास होगा और वह भी प्रतिष्ठित साथ ही उच्च वर्ग से होगा यह तय है।

क्या पूर्व सरपंच का चुनाव से ठीक पहले भाजपा में शामिल होने की खबर उन्हें चुनाव में नुकसान पहुंचाएगा ?

नगर पंचायत का गठन होते ही पूर्व सरपंच ने भाजपा का दामन थाम लिया। अब ऐसा माना जा रहा है कि उनकी जीत की संभावनाओं को झटका लगा है। वह निर्दल होकर मजबूत होती वहीं वह जैसे ही भाजपा में पहुंची हैं प्रवेश कर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर वैसे ही वह सबसे कमजोर प्रत्याशी हो गई हैं क्या ऐसा लोगों का आंकलन सही है? वैसे माना जा रहा था कि वह निर्दल होकर पूर्व सरपंच मजबूत होती और वह शायद चुनाव में टक्कर की स्थिति में होती जीत दर्ज कर जाती लेकिन भाजपा में जाकर या किसी भी राजनीतिक दल में जाकर उन्होंने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली खुद की ही हार तय कर ली? शायद भाजपा में नहीं गई होती तो हो सकता था कि नगर विकास समिति भी पूर्व सरपंच को अपना प्रत्याशी निर्दलीय तोरपर मान लेती, पर अब स्थिति अलग हो गई है और स्थिति इसलिए भी अलग हो गई है क्योंकि राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा में जॉइनिंग सिर्फ अध्यक्ष पद की लालसाही ले गई है, पूर्व सरपंच को निचले तपके के लोग भी पसंद किया करते थे, पूर्व सरपंच आम लोगों से लेकर सबके लिए एक सूटेबल प्रत्याशी मानी जाती थी पर अब पार्टी वाइज स्थितियां बदलती नजर आ रही।

यदि भाजपा कांग्रेस पहले चुनाव में ही अपना प्रत्याशी नहीं जीता पाई,प्रथम नगर पंचायत पटना चुनाव उनके लिए काला अध्याय होगा ?

भाजपा कांग्रेस के लिए यह चुनाव करो मरो की स्थिति वाला चुनाव होगा। यदि इस चुनाव में दोनों राजनीतिक दल अपने प्रत्याशियों को जीत नहीं दिला सके तो यह चुनाव उनके लिए काला अध्याय बन जाएगा। वैसे इस चुनाव में कौन सा दल भारी पड़ेगा कौन जीत दर्ज करेगा यह देखने वाली बात होगी। वैसे भाजपा सत्ताधारी दल है वह पूरी ताकत झोंक देगी और कांग्रेस भी पीछे नहीं रहने वाली। निर्दल या नगर विकास समिति का प्रत्याशी जीत दर्ज करेगा की वोट कटवा बनेगा यह भी देखने वाली बात होगी?

80 प्रत्यशी चेहरे पर मिलेगा वोट 20 प्रत्याशी सिंबल का होगा खेल

इस चुनाव में 80 प्रतिशत मत चेहरे के आधार पर मिलेगा। कौन कितना सामाजिक मिलनसार और सर्व हित में सोचने वाला होगा कौन सही होगा सरल सहज होगा स्वतंत्र कार्य करेगा बैरियर जहां नहीं होगा यह आंकलन इस चुनाव में मतदाता जरूर करेंगे। चेहरा मुख्य आधार लोगों के लिए होगा अध्यक्ष या पार्षद के लिए चुनाव करते समय, मतदाता यह देखकर मतदान करेंगे कि कौन कितना उसके लिए सहज और सरल उपलब्ध होगा। 20 प्रतिशत ही मत दलीय आधार पर मिलने की संभावना है। अब देखना है कौन किस तरह इस समीकरण को साध पाता है और जीत दर्ज कर पाता है।

आखिर ऐसी कौन सी वजह थी की चोरी-छुपे भाजपा में पूर्व सरपंच को होना पड़ा शामिल...भाजपा का मंच साझा करने के बाद उठा सवाल

पूर्व सरपंच ने चोरी छिपे भाजपा में प्रवेश किया ऐसा देखने सुनने को मिल रहा है। अब यदि ऐसा सही है तो यह सवाल भी लाजमी है कि क्यों चोरी छिपे भाजपा में प्रवेश को मजबूर हुई पूर्व सरपंच? पूर्व सरपंच को हाल ही में पटना में भाजपा के नए जिलाध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम में भाजपा के मंच पर देखा गया। पूर्व सरपंच का भाजपा प्रवेश धूमधाम से होना था समर्थकों के साथ होना था वहीं खुलेमंच पर वरिष्ठ सभी भाजपाइयों के साथ होना था जिसकी बजाए चोरी से भाजपा प्रवेश हुआ यह चर्चा और आश्चर्य का विषय लोग मान रहे हैं, वहीं इसे किसी नौसिखिए नेता की वाहवाही वाली बात लोग मानकर मजे ले रहे हैं और कह रहे हैं कि अपनी वाहवाही के चक्कर में किसी ने पूर्व सरपंच का राजनीतिक भविष्य ही चौपट कर दिया?

नगर विकास समिति में हर राजनीतिक दल से लोग,क्या वह राजनीतिक दल को ही अपने पहुंचाएंगे चोट ?

नगर विकास समिति में सभी दलों के लोग हैं, अब क्या वह अपनी या अपने साथी की राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए अपने ही राजनीतिक दल को चोट पहुंचाएंगे? क्या वह अपने राजनीतिक दल से गद्दारी करेंगे जहां उनकी आस्था और विश्वास है वर्षों से जहां उनका नाता है। भाजपा कांग्रेस के लिए भी ऐसी स्थिति में एक बात विचारणीय हो जाएगी वह यह की क्या वह ऐसे लोगों पर पुनः विश्वास करे?

सभी वार्डो से क्या फिर पार्षद पद के लिए भी उम्मीदवार उतारेगी नगर विकास समिति ?

नगर विकास समिति यदि अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार उतारती है तो उसे हर वार्ड से पार्षद पद लिए भी उम्मीदवार उतारना पड़ेगा यदि वह खुद को नगर विकास की सच्ची अवधारणा वाला साबित करना चाहेगी वहीं यदि वह केवल अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार उतारेगी वह स्वार्थ वाली राजनीतिक पंक्ति में खड़ी हो जाएगी। अब देखना है कि नगर विकास समिति का अंतिम निर्णय क्या होने वाला है चुनाव संदर्भ में। वार्ड पार्षद बगैर चुनाव लड़ना नगर विकास समिति की गलती हो सकती है।

नगर विकास समिति क्या सामान्य वर्ग से उम्मीदवार उतारने राजनीतिक दलों से कर रही किनारा ?

नगर विकास समिति यदि चुनाव लड़ती है तो उसका प्रत्याशी कौन होगा यह भी ध्यान देने वाली बात होगी। नगर विकास समिति से यदि सामान्य वर्ग से कोई उम्मीदवार होता है तो यह माना जाएगा कि वह सामान्य वर्ग को जीत दिलाने मात्र के लिए राजनीतिक दलों से किनारे जाकर अलग प्रत्याशी मैदान में उतार रही है वहीं यदि वह अन्य किसी वर्ग से प्रत्याशी चयन करती है तब ऐसा मानना गलत होगा।

सेना दिवस के अवसर पर कैप्टन रमाशंकर तिवारी को सम्मान श्री से किया सम्मानित

पूर्व सैनिक संगठन कोरिया एमसीबी ने किया सम्मान समारोह का आयोजन...वीरांगनाओं का भी हुआ सम्मान...मार्ग का नाम कैप्टन पर,हुआ अनावरण

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,16 जनवरी 2025 (घटती-घटना)।
भारतीय सेना के जवानों ने विश्व में अपने अदम्य साहस शक्ति शौर्य का प्रदर्शन किया है। 'सर कटा सकते हैं लेकिन सर झुका सकते नहीं' के तर्ज पर देश के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर देने का जुनून भारतीय सेवा के जांबाज सैनिकों के पास है इनके कारण ही प्रत्येक भारतवासी सुरक्षित है वहीं भारत माता गौरवान्वित है। इन जांबाज सैनिकों के लिए 15 जनवरी का दिन उनके शौर्य गाथा को प्रणाम करने का दिन है सेना दिवस के मौके पर पूर्व सैनिक संगठन कोरिया एमसीबी के तत्वाधान में सम्मान समारोह सह श्रद्धांजलि रखा गया।प्रात 10.30 पर शहीद स्मारक शासकीय रामानुज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैकुंठपुर स्थित सैन्य स्तंभ में वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई श्रद्धांजलि देने में जिले के पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे,जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता मौजूद रहे जिन्होंने उपस्थित जन समूह को संबोधित भी किया ।कार्यक्रम का अगला चरण स्थानीय उपभोक्ता फोरम के बाजू में कार्यक्रम स्थल पर आयोजित हुआ सर्वप्रथम भारत माता के छायाचित्र में उपस्थित अतिथि गणों के द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया तत्पश्चातमुख्य अतिथि नपा अध्यक्ष नविता शिवहरे द्वारा एवं पूर्व सैनिक संगठन कोरिया एमसीबी द्वारा कैप्टन रमाशंकर तिवारी को श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। भूतपूर्व सूबेदार सैनिक सुनील सिंह एवं सभी अतिथियों द्वारा अन्य वीरांगनाओं को भी शाल श्रीफल प्रदत्त करते हुए सम्मानित किया।गया जिसमें आनंदी देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय सिपाही गुमान सिंह, सुरजाबाई धर्मपत्नी स्वर्गीय हवलदार महावीर पांडे, विनीता रामावत धर्मपत्नी भूतपूर्व सैन्य अधिकारी राघवेंद्र रामावत, सुखमनी देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय हवलदार नंदलाल सिंह,फुलेश्वरी सोनी धर्मपत्नी स्वर्गीय राम व्यास सोनी,पुष्प लता राजवाड़े धर्मपत्नी स्वर्गीय नायक विष्णु प्रसाद राजवाड़े को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि आशीष यादव नपा उपाध्यक्ष,पार्षद अंकित गुप्ता,पार्षद राहुल गुप्ता और अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता लीना धुरिया धर्मपत्नी स्व रुद्र प्रसाद रूप एवं शैल सिंह को शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। साथ ही मंचस्थ अतिथिगण नविता शिवहरे,आशीष यादव, रामजनम सिंह, उमाशंकर शुक्ला, कमांडर आरएस बिष्ट, सूबेदार कृष्णानंद तिवारी, एनसीसी प्रभारी संजीव जायसवाल, रमेश शिवहरे, आत्मानंद विद्यालय बैकुंठपुर के प्राचार्य सुनील मिश्रा को सभी भूतपूर्व सैनिकों के द्वारा सम्मानित किया गया। आत्मानंद स्कूल की छात्राओं के द्वारा सैनिक कविता की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

CMYK

फिट्ज़,डी मिनौर ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में पहुंचे

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025। शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल टेलर फ़िट्ज़ और एलेक्स डी मिनौर दोनों ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में तेज़ी से प्रवेश किया। 5 वें दिन के मध्य में एक दूसरे से 60 सेकंड के भीतर अपने मैच समाप्त करने वाले चौथी वरीयता प्राप्त फ़िट्ज़ ने चिली के क्वालीफ़ायर क्रिस्टियन गारिन पर एक घंटे और 22 मिनट में 6-2, 6-1, 6-0 की जीत में सिर्फ़ तीन गेम गंवाए जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त और घरेलू पसंदीदा डी मिनौर ने अमेरिकी क्वालीफ़ायर ट्रिस्टन बॉयर को सिर्फ़ दो घंटे से कम समय में 6-2, 6-4, 6-3 से हराया।

पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में चौथे स्थान पर, यूएस ओपन और निट्टो एटीपी फाइनल्स के उपविजेता फ़िट्ज़ ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपनी सर्वोच्च वरीयता पर खेल रहे हैं और अपने पहले दो मैचों में उनका प्रदर्शन नहीं टूटा है। इंफोसिस स्टैट्स के अनुसार, गारिन के खिलाफ़ उन्होंने 24 विनर्स को नौ में से एक में क्लिप किया और 80 प्रतिशत फर्स्ट-सर्व पॉइंट और 60 प्रतिशत सेकंड-सर्व पॉइंट जीते।कैलिफ़ोर्निया के फ़िट्ज़ ने कहा, इस तरह का मैच खेलना हमेशा बहुत अच्छा लगता है, जिन्होंने कोर्ट पर घोषणा की कि वे लॉस एंजेलिस में आग से बचाव के प्रयासों के लिए अपने पहले दौर की पुरस्कार राशि 132,000 ऑस्ट्रेलियन डॉलर दान करेंगे। मैंने पहले दौर में भी अच्छा खेला, इसलिए तीसरे दौर में जाने के लिए मैं बहुत आत्मविश्वास से भरा हुआ हूं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए कैसी हो सकती है टीम इंडिया

किसे मिलेगी एंट्री और किसका होगा पत्ता साफ

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का ऐलान कभी भी किया जा सकता है। हालांकि वैसे तो अभी तक टीम घोषित कर दी जानी थी, लेकिन भारत ही नहीं, पाकिस्तानी टीम का भी ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन माना जा रहा है कि 19 जनवरी तक टीम सामने आ जाएगी। इस बीच ये भी तय नहीं है कि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में किसे जगह मिलेगी और किसे नहीं। केवल संभावनाएं ही जताई जा रही हैं। चलिए जरा समझने की कोशिश करते हैं कि इस आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारत के 15 खिलाड़ी कौन हो सकते हैं।

रोहित शर्मा,शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल हो सकते हैं सलामी बल्लेबाज

भारत के संभावित स्क्वाड की बात की जाए तो उसमें सलामी बल्लेबाज के तौर पर तीन खिलाड़ी हो सकते हैं। कप्तान रोहित शर्मा तो होंगे ही, साथ ही शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल भी टीम का हिस्सा हो सकते हैं। हालांकि पहले च्वाइस की ओपनिंग जोड़ी तो रोहित और शुभमन की ही होगी। ये बात सही है कि पिछले कुछ वक्त से शुभमन गिल का बल्ला उस तरह से नहीं चला है, जिसकी उम्मीद की जा रही थी, लेकिन फिर भी उन पर ही दांव खेला जाना चाहिए। तीसरे और रिजर्व सलामी बल्लेबाज के तौर पर यशस्वी जायसवाल को भी टीम में शामिल किया जा सकता है। टेस्ट में अपनी शानदार बल्लेबाजी से सभी को अपना मुरीद बना देने वाले यशस्वी जायसवाल ने अभी तक अपना वनडे डेब्यू नहीं किया है।

विराट कोहली,ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को भी मौका मिलने की संभावना

इसके बाद अगर मिडल आर्डर की बात करें तो उसमें विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल का होना करीब करीब तय है। हालांकि ये भी देखना होगा कि श्रेयस अय्यर और केएल राहुल में से एक ही खिलाड़ी को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा। टीम का कॉबिनेशन कुछ इसी तरह का बन रहा है। बात अगर विकेट कीपर की करें तो उसमें फ्रंट रनर तो ऋषभ पंत ही हैं। वे पहली च्वाइस होंगे, वहीं दूसरे विकेट कीपर के तौर पर संजू सैमसन को भी मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है। इस तरह से टीम के पास कुल मिलाकर तीन कीपर हो जाएंगे। पंत और संजू के अलावा राहुल भी होंगे। हालांकि ये भी तय है कि इन तीन में से एक या दो को ही प्लेइंग इलेवन में मौका मिल पाएगा।

हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और नितीश कुमार रेड्डी का भी दावा मजबूत

अब अगर ऑलराउंडर की बात करें तो उसमें हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा का दावा सबसे ज्यादा मजबूत है। ये दोनों खिलाड़ी बल्ले और गेंद से सहयोग कर सकते हैं। वहीं तीसरे ऑलराउंडर के तौर पर नितीश कुमार रेड्डी को मौका मिलने की संभावना है। नितीश कुमार रेड्डी रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल किए जा सकते हैं। इसके बाद अगर गेंदबाजी की बात करें तो उसमें जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव पर दांव खेला जा सकता है। वैसे तो जसप्रीत बुमराह अभी चोटिल हैं और उनके फिटनेस को लेकर कोई अपडेट नहीं है, लेकिन अगर वे खेलने की स्थिति में होते हैं तो उन्हें हर हाल में मौका दिया जाएगा।

इंग्लैंड से भी तीन वनडे मैच खेलेगी टीम इंडिया

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत को इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। इसका आगाज 6 फरवरी से होगा और सीरीज 12 तारीख तक चलेगी। उम्मीद है कि चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड सीरीज के लिए टीम करीब करीब एक ही होगी। एक दो खिलाड़ी ही बदले हुए नजर आएंगे। भारतीय टीम के पास चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपनी तैयारी को चुस्त और दुरुस्त करने के लिए यही आखिरी मौका होगा। देखना होगा कि जब बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी बैठेगी तो किन 15 खिलाड़ियों के नाम पर मोहर लगती है और किसका पत्ता साफ होता है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए संभावित टीम इंडिया: रोहित शर्मा, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, केएल राहुल, श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

WTC फाइनल की रेस से बाहर हो चुका पाकिस्तान

अब इस टीम से अपने घर पर खेलेगा मुकाबला

इस्लामाबाद,16 जनवरी 2025। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल की दो टीमें तो तय हो चुकी हैं। इस बार जून में साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच मुकाबला खेला जाएगा। हालांकि इसके बाद भी इसके तहत बचे हुए कुछ मैच खेले जाने हैं। अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम, जो काफी पहले ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की दौड़ से बाहर है, वो अपने घर पर वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगी। सीरीज के तहत दो मुकाबले खेले जाएंगे। हालांकि इस सीरीज में जीत हार से किसी की भी सेहत पर कोई असर नहीं पड़ेगा

मुल्तान में खेला जाएगा पाकिस्तान बनाम वेस्टइंडीज पहला टेस्ट मैच

पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का आगाज होना है। इसका पहला मुकाबला 17 जनवरी यानी शुक्रवार से शुरू होगा। वैसे तो जैसा कि हमने आपको पहले ही बताया कि इस सीरीज में हार जीत से कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन पाकिस्तानी टीम के लिए ये सीरीज इसलिए अहम हो सकती है क्योंकि फरवरी में ही वहां पर चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन किया जाना है। वैसे तो टेस्ट और वनडे में काफी अंतर है, लेकिन फिर भी खिलाड़ी को अपनी फार्म को बरकरार रखने में जरूर मदद मिलती है। वेस्टइंडीज की टीम ना तो विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में कुछ कर पाई है और ना ही चैंपियंस ट्रॉफी में खेलेगी।

वेस्टइंडीज ने पुख्ता की अपनी तैयारी

वेस्टइंडीज की टीम पहले ही पाकिस्तान पहुंच चुकी है और रावलपिंडी में पाकिस्तान ए टीम के खिलाफ अभ्यास मैच भी खेल चुकी है, जिसमें उसकी तैयारी ठीकठाक दिखी है। खास तौर पर युवा बल्लेबाज एलिक अथानाजे ने दोनों पारियों में अर्धशतक लगाकर अपनी तैयारी दिखा दी है। अगर टेस्ट में भी उन्होंने यही क्रम जारी रख तो फिर पाकिस्तान के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। सीरीज के लिए पाकिस्तान ने इमाम-उल-हक को वापस बुलाया है। वे सैम अयूब की जगह लेंगे, जो हाल ही में साउथ अफ्रीका खिलाफ सीरीज के दौरान चोटिल हो गए थे। अब देखना होगा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी वापसी मैच में इमाम उल हक कैसा प्रदर्शन करते हैं।

पाकिस्तान की पूरी टीम: इमाम-उल-हक, मोहम्मद हुरैरा, बाबर आजम, शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील, कामरान गुलाम, सलमान आगा, नोमान अली, रोहेल नजीर, मोहम्मद रिजवान, अबरार अहमद, साजिद खान, मोहम्मद अली, खुर्रम शहजाद, काशिफ अली।

वेस्टइंडीज की पूरी टीम: क्रेग ब्रैथवेट (कप्तान), कावेम हॉज, मिकाइल लुइस, एलिक अथानाजे, जस्टिन ग्रीव्स, कीसी कार्टी, गुडाकेश मोटी, जोशुआ दा सिल्वा, टेविन इमलाच, आमिर जंगू, एंडरसन फिलिप, केमर रोच, केविन सिंक्लेयर, जेडेन सील्स, जोमेल वारिकन।

RCB ने लिया बड़ा फैसला

टूर्नामेंट शुरू होने से पहले इस खिलाड़ी को किया अपने स्क्वॉयड में शामिल

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम और उनके फैंस को कुछ दिनों पहले तब बड़ा झटका लगा था जब टीम में शामिल एक स्टार प्लेयर को अचानक से हुई इंजरी के कारण लंबे रेस्ट पर जाना पड़ा है। महिला प्रीमियर लीग की शुरुआत होने की संभावना 07 फरवरी से है। ऐसे में आरसीबी की महिला टीम को बदलाव की जरूरत है। सोफी मोलिनक्स आगामी सीजन के लिए इंजरी के कारण उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में उन्होंने सोफी मोलिनक्स की जगह इंग्लिश ऑफ स्पिनर चार्ली डीन को टीम में शामिल किया है। आरसीबी की टीम ने खुद इस बात का ऐलान किया है।

टीम इंडिया का धाकड़ खिलाड़ी हुआ पूरी तरह से फिट

चैंपियंस ट्रॉफी में हो सकता है कमबैक

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025। आईसीसी का एक और टूर्नामेंट करीब आ रहा है। 19 फरवरी से इसका आगाज होना है। हालांकि अभी तक टीम इंडिया का ऐलान नहीं किया जा सका है, जो एक दो दिन में होने की पूरी संभावना है। इस बीच जसप्रीत बुमराह चोटिल हैं, उनके चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने पर सस्पेंस है, लेकिन अब खबर आई कि भारतीय टीम के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव अपनी चोट से उबर चुके हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। अब हो सकता है कि जब चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया में जगह मिल जाए। वे वनडे में शानदार गेंदबाजी करते हैं।

जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर आनी है अपडेट

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए वैसे तो अभी तक भारतीय टीम का ऐलान कर दिया जाना चाहिए था, लेकिन धाकड़ तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस को लेकर अभी तक तस्वीर साफ नहीं है। इसलिए अभी तक टीम नहीं घोषित की गई है। लेकिन फिर भी संभावना है कि टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक महीने पहले यानी 19 जनवरी तक टीम सामने आ ही जाएगी, देखना होगा कि उसमें किन किन खिलाड़ियों का नाम शामिल किया जाता है।

चैंपियंस ट्रॉफी में हो सकती है कुलदीप यादव की वापसी

चैंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से पहले कुलदीप यादव ने चोट से उबरकर अपनी प्रैक्टिस शुरू कर दी है। पिछले साल ही जब टीम इंडिया अपने घर पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रही थी, तब पहले ही मुकाबले में उन्हें ग्रोइन इंजरी हो गई थी, तब से वे भारतीय टीम से बाहर चल रहे थे। इस बीच अब कुलदीप यादव ने अपने सोशल मीडिया पर करीब 45 सेकेंड का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें वे नेट्स पर गेंदबाजी करते हुए दिखाई दे रहे है। अब उम्मीद लगाई जानी चाहिए कि वे चैंपियंस ट्रॉफी के स्क्वाड में शामिल किए जा सकते हैं।

वनडे में ऐसा कुलदीप यादव का रिकॉर्ड

कुलदीप यादव अब तक भारत के लिए 106 वनडे मैच खेलकर 172 विकेट चटका चुके हैं। यहां उनका औसत करीब 26 का है और इकॉनमी रेट 4.99 का है। वे वनडे में अब तक दो बार पांच विकेट भी लेने का कारनामा कर चुके हैं। चैंपियंस ट्रॉफी वनडे फॉर्मेट पर ही होगी, ऐसे में वे काफी कमाल कर सकते हैं। खास तौर पर पाकिस्तान के खिलाफ उनकी गेंदबाजी की जरूरत पड़ेगी। इससे पहले टीम इंडिया 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज भी खेलने जा रही है, इसमें कुलदीप यादव को नहीं रखा गया है।

साउथ अफ्रीका टीम को लगा एक और झटका

स्टार गेंदबाज के बाद अब ये बल्लेबाज भी हुआ चोटिल

यूएई,16 जनवरी 2025। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन किया जाना है। टूर्नामेंट के मुकाबले पाकिस्तान और यूएई में खेले जाएंगे। इस टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इन आठ टीमों में से छह टीमों ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। चैंपियंस ट्रॉफी का पहला मुकाबला 19 फरवरी को खेला जाएगा। वहीं टीम इंडिया अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी। इसी बीच टूर्नामेंट शुरू होने से पहले एक टीम को तगड़ा झटका लगा है। यह टीम कोई और नहीं बल्कि साउथ अफ्रीका की टीम है। साउथ अफ्रीका के स्टार गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। इसी बीच एक स्टार बल्लेबाज को भी चोट लग गई है।

यह खिलाड़ी हुआ चोटिल

साउथ अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज वैन डेर डुसेन घायल हो गए हैं। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए साउथ अफ्रीका के स्क्वाड का हिस्सा हैं। T20 के दौरान खेले जा रहे एक मुकाबले में वह फील्डिंग करते वक्त घायल हो गए। उनकी इंजरी कितनी गंभीर है इसे लेकर अभी तक कोई अपडेट नहीं दिया गया है, लेकिन उनके चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने को लेकर सवाल काफी तेजी से उठने लगे हैं। साउथ अफ्रीका की टीम ने पहले ही एनरिक नॉर्खिया को इस टूर्नामेंट के लिए खो दिया है अब वह उम्मीद लगा रहे होंगे कि वैन डेर डुसेन की चोट ज्यादा बड़ी ना हो और वह मेगा इवेंट से पहले फिर से फिट हो जाएं।

कैसे लगी वैन डेर डुसेन को चोट

SA20 में एमआई केप टाउन और पार्ल रॉयल्स के बीच खेले गए मुकाबले में वैन डेर डुसेन कवर-पॉइंट के पास फील्डिंग कर रहे थे, तभी जो रूट ने ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर एक शॉट खेला। वैन डेर डुसेन ने इस शॉट को बचाने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनकी उंगलियों से लगकर बाउंड्री की दिशा में चल गई। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपने दाहिने हाथ की उंगली पर आइस पैक रखा। मैच खत्म होने के बाद उनकी उंगली सूज गई थी। हालांकि उनकी उंगली नीली नहीं हुई थी और वह मैच के बाद लोगों से हाथ मिलाते भी नजर आए। वैन डेर डुसेन ने इस मुकाबले में चोट लगने से पहले 64 गेंदों पर 91 रनों की पारी भी खेली थी।

रावल तेजी से रन बना सकती हैं और रक्षात्मक भूमिका भी निभा सकती हैं: मंधाना

नई दिल्ली,16 जनवरी 2025। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल ने अपने वनडे करियर की बेहतरीन शुरुआत की है। किसी भी महिला खिलाड़ी ने अब तक अपने वनडे करियर की शुरुआत के पहले छह मैचों में रावल से ज़्यादा रन नहीं बनाए हैं - 74 की औसत के साथ 444 रन। अगर पुरुष और महिला खिलाड़ियों की बात की जाए तो पहले छह मैचों में प्रतिका से बेहतर आंकड़े सिर्फ़ दक्षिण अफ़्रीका के जानेमन मलान के नाम है।रावल ने बुधवार को आयरलैंड के ख़िलाफ़ सिर्फ़ 129 गेंदों में 154 रन बनाए और स्मृति मंधाना के साथ पहले विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी की। दोनों बल्लेबाज़ों की इस साझेदारी और रावल की दर्शनीय पारी ने कई कीर्तिमान बनाए और शायद इसी कारण से भारतीय महिला टीम ने वनडे में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर (435-5) बनाने में सफल रही। इस सीरीज़ में हरमनप्रीत कौर की अनुपस्थिति में मंधाना भारतीय टीम की कप्तानी संभाल रही थीं। उन्होंने मैच के बाद रावल की जमकर तारीफ़ की और उनकी बहुमुखी प्रतिभा को उनकी सबसे बड़ी ताक़त बताया।मंधाना ने रावल के बारे में कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाज़ी कर रही हैं, उससे मैं वास्तव में खुश हूं। मुझे लगता है कि उनके पास शांत स्वभाव है, वह जानती हैं कि वह क्या कर रही हैं। उनके पास दोनों तरह का खेल है - जहां वह तेज़ी से रन बना सकती हैं और रक्षात्मक भूमिका भी निभा सकती हैं, जो एक बल्लेबाज़ के लिए बहुत शानदार है।

धांसू लुक में नजर आए अभिनेता

साउथ अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की आने वाली फिल्म घाटी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फैंस लगातार फिल्म से जुड़ी नई जानकारियां पाने के लिए उत्सुक हैं। पहले ही फिल्म से अनुष्का शेट्टी की झलकियां सामने आ चुकी हैं, जिसमें अभिनेत्री का दमदार अवतार नजर आया था। वहीं, अब फिल्म में मुख्य नायक का किरदार निभाने वाले अभिनेता विक्रम प्रभु का भी लुक निर्माताओं ने जारी कर दिया है।फिल्म में विक्रम प्रभु, अनुष्का शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। आज विक्रम का जन्मदिन भी है और इसे खास बनाने के लिए घाटी के निर्माताओं ने फिल्म से अभिनेता का पहला लुक जारी कर दिया है। विक्रम फिल्म में देसी राजू के रूप में नजर आएंगे। पोस्टर में विक्रम कैमरे की ओर देखते हुए धांसू लुक में नजर आ रहे हैं। कृष अपनी फिल्मों में अलग-अलग तरह के कलाकारों को शामिल करने के लिए जाने जाते हैं और विक्रम का घाटी में शामिल होना काफी चौंकाने वाला है। प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि वह फिल्म में किस तरह का किरदार निभाएंगे। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म के टीजर ने पहले ही कई लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है।निर्माता वामसी कृष्ण रेड्डी, प्रमोद उप्पलापति, वाई राजीव रेड्डी और जे साई बाबू ने यूवी क्रिएशन्स और फर्स्ट फ्रेम एंटरटेनमेंट्स के लेबल के तहत घाटी का निर्माण किया। निर्माताओं ने मार्च 2024 में घाटी के लिए एक घोषणा की थी और लिखा, बदला, मोचन और प्रतिशोध की एक मनोरंजक कहानी, जहां एक पीड़ित अपराधी बन जाती है और लीजेंड का दर्जा प्राप्त करती है। अनुष्का इस महिला-केंद्रित फिल्म में मुख्य किरदार निभा रही हैं। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनुष्का शेट्टी की घाटी से विक्रम प्रभु का पहला लुक जारी

CMYK

मुठभेड़ में मारे गए 12 नक्सली

» दक्षिण बस्तर में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

» मुठभेड़ में 12 नक्सलियों के मारे जाने की सूचना

» मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान होने की संभावना

बीजापुर,16 जनवरी 2025(ए)। बीजापुर जिले के इंद्रावती टाइगर रिजर्व राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में गुरुवार को सुरक्षा बल की ओर से नक्सलियों के विरुद्ध चलाए गए एक बड़े अभियान में पुजारी कांकेर व मारुड़बाका के जंगल में हुए मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराने की सूचना है।

सूत्र बता रहे हैं कि मुठभेड़ स्थल सेल्फ लोडिंग रायफल (एसएलआर), बैरेल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) समेत भारी मात्रा में विस्फोट भी मिले हैं। सुबह से ही रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। यहां बता दें कि राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में ही चार दिन पहले बंदेपारा-कोरंजेड के जंगलों में हुए मुठभेड़ में पांच नक्सलियों को मार गिराया गया था।

पुलिस के अनुसार बीजापुर जिले के तेलंगाना राज्य के सीमा पर शीर्ष नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर दंतेवाड़ा, सुकमा व बीजापुर जिले के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), कोबरा की चार बटालियन व केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 229 वाहिनी की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

अभियान के दौरान सुबह नौ बजे से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच पुजारी कांकेर और मारुड़बाका के जंगलों में रुक रुक कर मुठभेड़ जारी है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चंद्रकांत गवर्ना ने बताया कि अभियान पूरा होने के बाद पृथक से विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

दो हजार से अधिक जवान अभियान पर

दक्षिण बस्तर क्षेत्र में कुख्यात नक्सली हिड़मा समेत सेंट्रल कमेटी के शीर्ष नक्सलियों की उपस्थिति की पुख्ता सूचना के बाद एक बड़ा अभियान चलाया गया है। इस अभियान में डीआरजी, सीआरपीएफ व कोबरा बटालियन के दो हजार से अधिक जवान नक्सलियों के सबसे कोर क्षेत्र में उतारे गए हैं।कई बड़े नक्सलियों के भी मारे जाने की सूचना है। 16 दिन में 25 नक्सली ढेर वर्ष 2026 तक नक्सलियों का संपूर्ण सफाया करने के लक्ष्य के साथ नक्सलियों के विरुद्ध जारी अभियान में इस वर्ष 16 दिन के भीतर 25 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया है। पिछले वर्ष 219 नक्सलियों के शव मिले थे। यद्यपि नक्सलियों की स्वीकारोक्ति के अनुसार 239 नक्सली मारे गए थे।

चार दिन पहले मारे गए थे तीन नक्सली

उल्लेखनीय है कि, बीते दिनों नेशनल पार्क क्षेत्र के जंगलों में नक्सलियों के होने का पता चला था। सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबल टीम ने सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान रविवार सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों की बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को ढेर कर दिया गया था।

आईईडी ब्लास्ट में 2 जवान हुए थे घायल

बता दें कि गुरुवार को इसी इलाके में एक और घटना हुई थी। नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी में विस्फोट में सीआरपीएफ की कोबरा इकाई के दो कमांडो घायल हो गए थे। बताया जा रहा है कि सीआरपीएफ की 229 वीं बटालियन और कोबरा की 206 वीं बटालियन के जवान शामिल थे। जवान अनजाने में आईईडी के संपर्क में आ गए, जिससे विस्फोट हो गया। घायल जवानो कों हेलीकाप्टर से रायपुर रेफर किया गया।

शराब घोटाला मामले में ईडी के वकील ने किया दावा

लखमा को हर महीने 50 लाख रूपए मिलता था

रायपुर,16 जनवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को गिरफ्तार कर लिया है। बुधवार को पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय पहुंचे लखमा को कोर्ट ने 7 दिन की रिमांड पर भेज दिया है। ईडी के वकील सौरभ पांडेय ने कोर्ट में दावा किया कि लखमा को हर महीने शराब कार्टेल से 2 करोड़ रुपये कमीशन के रूप में मिलते थे। इस राशि का उपयोग उन्होंने निजी संपत्ति और कांग्रेस भवन निर्माण में किया।

ईडी का दावा:72 करोड़ का भ्रष्टाचार

ईडी के वकील ने कहा कि 36 महीने के दौरान प्रोसीड ऑफ क्राइम की राशि 72 करोड़ रुपये है। इस पैसे का उपयोग सुकमा में लखमा के बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और कांग्रेस भवन के निर्माण में हुआ। ईडी की जांच में पता चला कि यह राशि आबकारी विभाग के अधिकारियों द्वारा लखमा तक पहुंचाई जाती थी।

उन्होंने आगे बताया कि, गिरफ्तार अरुणपति त्रिपाठी और अरविंद सिंह ने पूछताछ में बताया था कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा के पास हर महीने कमीशन पहुंचता था। अरविंद सिंह ने बताया था कि, शराब कर्टल से हर महीने लखमा को 50 लाख रुपए दिए जाते थे। यही नहीं 50 लाख रुपए के ऊपर भी 1.5 करोड़ रुपए और दिया जाता था। इस हिसाब से 2 करोड़ रुपए पूर्व आबकारी मंत्री को हर महीने कमीशन के तौर पर मिलते थे।

आबकारी के अधिकारी भेजते थे पैसे

उन्होंने आगे कहा कि, आबकारी विभाग में काम करने वाले ऑफिसर इकबाल खान और जयंत देवांगन ने बताया कि, वे पैसों का अरेंजमेंट कर उनको भेजते थे। कन्हैया लाल कुर्रे के जरिए पैसों के बैग कलेक्ट किए जाते थे। यहां तक कि, कवासी लखमा ने खुद अपने बयान में यह माना है कि अरुण पति त्रिपाठी साइन करवाता था। ऐसे में उन्हें नॉलेज तो था कि कुछ चल रहा है। इसलिए इस मामले में इनका भी इन्वॉलमेंट साफ तौर पर दिखाई दे रहा है।

लखमा के वकील ने किया बचाव

वहीं सुनवाई के बाद बाहर निकले कवासी लखमा के वकील फैजल रिजवी ने कहा कि, उनकी गिरफ्तारी सबूत बनाने के बाद की गई है। अगर 2 करोड़ रुपए मिलने की बात वे कह रहे हैं तो बताएं कि, कवासी लखमा के घर से क्या मिला? छापे में कहीं से 20 हजार रुपए भी नहीं मिले हैं।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

नितिन नवीन ने कहा भूपेश बघेल आपने आदिवासी आदमी को बनाया मोहरा

रायपुर,16 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाले में भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की गिरफ्तारी के

बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल को भी घेरा है। नितिन नबीन ने कहा की भूपेश बघेल ने आदिवासी को अपराध का मोहरा बनाया है। एक आदिवासी से अपराध करा दिया गया। लेकिन इसका घोटाले का असली मास्टरमाइंड पीछे बैठा है। उन्होंने कहा कि क़ानून इतना मज़बूत है कि मास्टर माइंड को भी पकड़ निकलेगा

छत्तीसगढ़ कांग्रेस को लगा बड़ा झटका

उपाध्यक्ष पीआर खूंटे ने दिया इस्तीफा

रायपुर,16 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और वर्तमान उपाध्यक्ष पीआर खूंटे ने कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। पीआर खूंटे, जो कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष भी थे, ने इस्तीफा देने के बाद पार्टी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वह नई पार्टी बनाने या भाजपा में शामिल होने पर जल्द निर्णय लेंगे।

आदिवासी किसान ने की आत्महत्या

बिलासपुर,16 जनवरी 2025(ए)। सूदखोरी से तंग आकर आदिवासी किसान ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सकरी थाना क्षेत्र के भरनी की है। जानकारी के मुताबिक, मृतक किसान बृजभान सिंह बिंझवार ने खेती के लिए कर्ज लिया था। परिजनों ने ज्वाला खांडे पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने घटना स्थल से सुसाइड नोट बरामद किया है। सुसाइड नोट में लिखा है कि कर्ज चुकाने के बाद भी 3 लाख रुपए मांग रहा था। सूदखोर ने किसान पुस्तिका गिरवी रख ली थी। परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

आरक्षक आत्महत्या मामले में एसआईटी ने किया खुलासा

» पुलिस भर्ती में मृत आरक्षक ने अभ्यर्थियों से लिए थे पैसे

» अंतरिम रिपोर्ट को आईजी ने राज्य शासन को भेजा

राजनांदगांव,16 जनवरी 2025 (ए)।राजनांदगांव रेंज की पुलिस आरक्षक भर्ती में गड़बड़ी उजागर होने के दौरान एक आरक्षक अनिल रत्नाकर की खुदकुशी के मामले में गठित एसआईटी ने आईजी दीपक झा को अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मृतक आरक्षक इस पूरी गड़बड़ी में शामिल था और उसने अभ्यर्थियों से अंक बढ़ाने के एवज में पैसे लिए थे। उसके द्वारा लगाए गए बड़े अफसरों पर आरोप भी निराधार पाए गए। इसके अलावा उसकी मौत भी आत्महत्या होना ही पाया गया। आईजी ने फिलहाल रिपोर्ट को राज्य सरकार को भेज दिया है।

एएसपी के नेतृत्व में गठित एसआईटी ने की जांच

आरक्षक की आत्महत्या के मामले में लालबाग थाना राजनांदगांव के मर्ग क्र. 117/2024 धारा 194 बीएनएस की गंभीरता एवं संवेदनशीलता को देखते हुए मर्ग की समुचित जांच के लिए देवचरण पटेल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला मोहला-मानपुर-अं. चौकी के नेतृत्व में 4 सदस्यीय विशेष जांच टीम का गठन 22 दिसंबर 2024 को किया गया था। टीम द्वारा अंतरिम जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है। जांच के दौरान 42 गवाहों का कथनों, तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, सीडीआर, बैंक स्टेटमेंट का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। अंतरिम जांच में मृतक आरक्षक अनिल रत्नाकर की मृत्यु फांसी लगाकर आत्महत्या करना प्रतीत होना पाया गया है।

अंतरिम जांच में यह भी पाया गया है कि मृतक अनिल रत्नाकर द्वारा आरक्षक भर्ती प्रक्रिया में आने वाले अभ्यर्थियों से अन्य लोगों के साथ मिलकर रुपयों के बदले अभ्यर्थियों के नंबर में हेरफेर किया गया है। अब तक की जांच में उपलब्ध तकनीकी साक्ष्य, सीसीटीवी फुटेज, सीडीआर, बैंक स्टेटमेंट, गवाहों के कथनों से किसी भी वरिष्ठ अधिकारी का भर्ती प्रक्रिया की गड़बड़ी में शामिल होने के साक्ष्य नहीं पाया गया है।

मृतक की फोन डेटा रिकवरी के संबंध में तकनीकी रिपोर्ट, मृतक के बांये हाथ के गदेली में लिखे नोट के संबंध में हस्तलिपि विशेषज्ञ का रिपोर्ट एवं मृतक का विसरा परीक्षण रिपोर्ट अप्राप्त है। उक्त परीक्षण रिपोर्ट के प्राप्ति उपरांत अंतिम प्रतिवेदन दिया जाना संभव होगा, लेख किया गया है।

कवासी लखमा अनपढ़ हैं,लेकिन नासमझ नहीं...

कवासी लखमा की गिरफ्तारी पर टीएस सिंहदेव का बड़ा बयान,कहा ईडी का टारगेट कोई और...

रायपुर,16 जनवरी 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव को लेकर तैयारी चरम पर है। आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब मतदाता सूची के प्रकाशन की अंतिम तारीख भी तय कर दी गई है। निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार 18 जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। इसी बीच नगरीय निकाय पंचायत चुनाव को लेकर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट के साथ चर्चा हुई है। टीएस सिंहदेव ने कहा कि पंचायत चुनाव ईव्हीएम से किया जाना संभव नहीं है।

कवासी लखमा की गिरफ्तारी पर टीएस सिंहदेव ने कहा कि, भाजपा के वरिष्ठ नेता कह रहे है कि, लखमा को बलि का बकरा बनाया गया है। लखमा अनपढ़ है लेकिन नासमझ नहीं है। पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने सवाल उठाते हुए कहा कि, क्या ईडी का टारगेट कोई और है। ईडी की कार्रवाई में प्रक्रिया को ही सजा बना दी गई है। लंबे समय तक बेल नहीं होता, सिर्फ आरोप लगाए जाते हैं। ईडी पास कोई साक्ष्य है तो पहले गिरफ्तारी क्यों नहीं की? भूपेश बघेल को टारगेट करने के सवाल पर टीएस सिंहदेव ने कहा कि, भूपेश बघेल पहले से टारगेट में रहे हैं, चार्जशीट में भी नाम है। साक्ष्य है तो फिर आरोप क्यों लगाते हैं कार्रवाई क्यों नहीं करते। महादेव ऐप पर भी आरोप लगाए गए पर साक्ष्य नहीं मिले।

सीजीपीएससी घोटाले को लेकर सीबीआई ने पेश किया दो हजार पन्नों का चालान

रायपुर,16 जनवरी 2025(ए)। सीजीपीएससी घोटाला मामले में सीबीआई ने आज चालान पेश किया। सीबीआई की विशेष कोर्ट में पीएससी के तत्कालीन चेयरमैन कथित मास्टरमाइंड टामन सिंह सोनवानी, बजरंग पावर के डायरेक्टर श्रवण कुमार गोयल के विरुद्ध दो हजार पन्नों का चालान पेश किया गया, जिसमें घोटाले से जुड़े विस्तृत सबूत और आरोप शामिल हैं। चालान में सीजीपीएससी के तत्कालीन चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, बजरंग पावर के डायरेक्टर श्रवण कुमार गोयल और उनके परिवार के सदस्यों को मुख्य आरोपी बनाया गया है। टामन सोनवानी के भतीजे नितेश सोनवानी और साहिल सोनवानी, श्रवण कुमार गोयल के बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटियार पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसके अलावा तत्कालीन डिप्टी एग्जाम कंट्रोलर ललित गणवीर के खिलाफ भी चालान पेश किया गया है। इस मामले में सीबीआई ने आरोप लगाया है कि इन सभी आरोपियों ने मिलकर सीजीपीएससी भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया में धांधली की और चयन प्रक्रिया को प्रभावित किया। परीक्षा में हेरफेर करने के लिए बड़ी धनराशि का लेन-देन किया गया था. सीबीआई की ओर से पेश किए गए चालान में मामले की जांच और आरोपियों के खिलाफ सबूतों का उल्लेख किया गया है. अदालत में अब इस मामले की सुनवाई शुरू होगी।

इनामी नक्सली-कमांडर ने किया आत्मसमर्पण

कोंडागांव,16 जनवरी 2025(ए)। कोंडागांव में 5 लाख के इनामी नक्सली कमांडर ने सरेंडर किया है। आत्मसमर्पित नक्सली कमलदास उत्तर बस्तर डिविजन की टेक्निकल टीम एरिया कमेटी में कमांडर के पद पर कार्यरत था। नक्सलियों की खोखली विचारधारा से तंग आकर उसने आत्मसमर्पण कर दिया। कमलदास कोंडागांव, कांकेर, नारायणपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा और बीजापुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में कई मुठभेड़ों में शामिल रहा है। वह भरमार बंदूक, हैंड ग्रेनेड और देशी लांचर बनाने के साथ-साथ अन्य हथियारों की मरम्मत में मास्टरमाइंड था। कमलदास का नक्सली संगठन में 25 साल का लंबा इतिहास रहा है।

आईएएस नम्रता गांधी का पीएम अवार्ड के लिए हुआ चयन

जल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य के लिए पीएम मोदी करेंगे सम्मान

रायपुर,16 जनवरी 2025(ए)। धमतरी कलेक्टर आई ए एस नम्रता गांधी को जल संरक्षण की दिशा में सक्रिय योगदान के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार के लिए चयन किया गया है. सिविल सर्विस डे के अवसर पर 21 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नम्रता गांधी को सम्मानित करेंगे।

हाईकोर्ट का सख्त कदम,प्रलोभन देने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बिलासपुर,16 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल विनोद कुजूर ने एक पब्लिक नोटिस जारी कर आम पक्षकारों को अदालतों में चल रहे मुकदमों को लेकर प्रलोभन देने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि यदि कोई व्यक्ति किसी अदालत में चल रहे मामले को पक्ष में निर्णय दिलाने का झूठा आश्वासन या प्रलोभन देता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।रजिस्ट्रार जनरल ने अपने नोटिस में यह स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति किसी याचिका, आवेदन या अन्य कार्यवाही के बारे में असंगत लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से किसी को जीत दिलाने या आदेश करवाने का मिथ्या आश्वासन देता है, तो यह कानूनी अपराध माना जाएगा। ऐसे मामलों में आरोपित व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। इसके अलावा, जो लोग इस तरह के प्रलोभन या आश्वासन को स्वीकार करेंगे, वे भी आपराधिक अभियोजन के लिए जिम्मेदार होंगे।

हाईकोर्ट के एडिशनल और डिप्टी एडवोकेट जनरल ठगी का शिकार

ऑनलाइन ठगों ने किया धोखाधड़ी

बिलासपुर,16 जनवरी 2025(ए)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के एडिशनल एडवोकेट जनरल सुनील काले और डिप्टी एडवोकेट जनरल विनय पांडेय ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गए हैं। यह मामला प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान रूम बुकिंग के नाम पर ठगों द्वारा की गई धोखाधड़ी का है। चकरभाठा पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।डिप्टी एडवोकेट जनरल के निजी सहायक ने चकरभाठा थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। हालांकि, अभी तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं की गई है, लेकिन पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ठगों ने महाकुंभ के दौरान रूम बुकिंग के लिए फर्जी वेबसाइट का सहारा लिया और दोनों अधिकारियों से धनराशि की ठगी कर ली। चकरभाठा पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और ठगों की पहचान करने के लिए प्रयासरत है। इस घटना ने एक बार फिर ऑनलाइन ठगी के खतरे को उजागर किया है, और यह स्पष्ट किया है कि आजकल के डिजिटल युग में किसी भी ऑनलाइन लेन-देन को लेकर सतर्क रहना बेहद जरूरी है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)